स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

आज का मौसम
31.0⁰ अधिकतम तापमान
27.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.42
सूर्यास्त 06.51

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

भाद्रपद कृष्ण पक्ष सप्तमी 11:50 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 15 अगस्त 2025, वर्ष 6, अंक 266, पृष्ठ 24+8 ▪ मूल्य 6 रुपये

भारत मजबूत तो दुनिया उसकी सुनेगी -7

भारतीय शिक्षण संस्थानों पर नौ महीने में दो लाख साइबर हमले- 8

ब्रीफ न्यूज

हथियार लाइसेंस के लिए पोर्टल की शुरुआत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को एक पोर्टल की शुरुआत की जिसके माध्यम से संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले मूल निवासी हथियारों के लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकेंगे। शर्मा ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य जिम्मेदार नागरिकों को राज्य में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सरकार की मदद करने में सक्षम बनाना है। उन्होंने कहा कि लाइसेंस उचित जांच और बहुस्तरीय प्रक्रिया के बाद जारी किए जाएंगे।

जम्मू में सुरक्षा कड़ी सीमा पर सतर्कता

जम्मू। स्वतंत्रता दिवस समारोह के आलोक में गुरुवार को जम्मू क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई, इस दौरान जांच और गश्त तेज कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि सीमा पार से किसी भी नापाक मंसूबे को नाकाम करने के लिए नियंत्रण रेखा और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सेना, सीमा सुरक्षा बल और जम्मू-कश्मीर पुलिस की बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया दलों (क्यूआरटी) को जम्मू शहर में तैनात किया गया है और प्रत्येक जिले में प्रवेश एवं निकास बिंदुओं पर जांच बढ़ा दी गई है।

अग्निवीरों के लिए विशेष ऋण योजना

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत सरकार के अल्पकालिक अग्निपथ भर्ती कार्यक्रम के तहत अग्निवीरों के लिए एक विशेष व्यक्तिगत ऋण योजना शुरू करने की गुरुवार को घोषणा की। इस ऋण योजना के तहत बैंक में वेतन खाता रखने वाले अग्निवीर बिना गारंटी के चार लाख तक का ऋण ले सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी 12वीं बार लाल किले की प्राचीर से करेंगे संबोधन

राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास को कर सकते हैं रेखांकित

- टैरिफ पर अमेरिका के प्रतिकूल रुख पर भी बोल सकते हैं मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस पर लगातार 12वीं बार लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री का यह संबोधन ऐसे समय पर हो रहा है जब 'ऑपरेशन सिंदूर' को कुछ महीने ही हुए हैं और विपक्षी दल चुनाव में कथित गड़बड़ियों को लेकर एकजुट होकर उनकी सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। मोदी इस अवसर पर राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास और अपने कार्यकाल में कल्याणकारी मॉडल के विस्तार पर भारत के अडिग रुख को रेखांकित कर सकते हैं। साथ ही वह व्यापार पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत के प्रति प्रतिकूल रुख से उत्पन्न आर्थिक और विदेशी संबंधों की अनिश्चितता के माहौल पर भी बोल सकते हैं।

प्रधानमंत्री पिछले काफी समय से 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने में मदद के लिए स्वदेशी तकनीक और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देकर देश को 'आत्मनिर्भर' बनाने पर बार-बार जोर दे रहे हैं और देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से उनके भाषण में इसी बात को दोहराया जा सकता है। हाल में लगातार दो बार प्रधानमंत्री बनने के इंदिरा गांधी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने के बाद, मोदी अपने 12वें स्वतंत्रता दिवस संबोधन के साथ, लाल किले की प्राचीर से दिए गए इंदिरा के लगातार 11 भाषणों को पीछे छोड़ते हुए, इस मामले में प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बाद दूसरे स्थान पर होंगे। इंदिरा गांधी जनवरी 1966 से मार्च 1977 तक, और फिर जनवरी 1980 से अक्टूबर 1984 में अपनी हत्या तक, प्रधानमंत्री पद पर रहीं। कुल मिलाकर, उन्होंने 15 अगस्त को प्रधानमंत्री के रूप में 16 भाषण दिए हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षक विदेश नीति के मोर्चे पर उनके किसी भी संकेत का बेसब्री से इंतजार करेंगे, ऐसे समय में जब भारत और अमेरिका के बीच आमतौर पर मजबूत रहे रिश्ते इस समय तनाव में हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम में मध्यस्थता के ट्रंप के बार-बार किए जा रहे दावों और व्यापार को लेकर भारत पर दबाव बनाने के लिए टैरिफ के इस्तेमाल के कारण रिश्तों में तनाव आ गया है। संसद का मानसून सत्र जारी है और विपक्ष के हंगामे के कारण कार्यवाही अवरुद्ध है।

विपक्ष ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा की मांग की है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि प्रधानमंत्री चुनावी धांधली के विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हैं या नहीं।

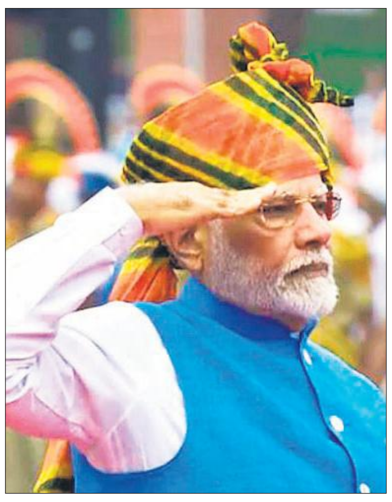

सद्भाव को मजबूत करना हमारी जिम्मेदारी : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि हर साल 14 अगस्त को मनाए जाने वाले विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस देश को एक सूत्र में पिरोने वाले सद्भाव के बंधन को मजबूत करने की लोगों की जिम्मेदारी की याद दिलाता है। मोदी ने लाखों लोगों को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर करने वाली अकथनीय पीड़ा का जिक्र करते हुए कहा कि यह दिन भारत को उस उथल-पुथल एवं दर्द की याद दिलाता है जो देश के इतिहास के उस दुखद अध्याय के दौरान अनगिनत लोगों ने झेला था। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, यह उनके साहस का सम्मान करने का भी दिन है। (यह) अकल्पनीय क्षति झेलने और फिर भी नए सिरे से शुरुआत करने की ताकत हासिल करने की उनकी क्षमता का (सम्मान है)। प्रभावित हुए कई लोगों ने अपनी जिंदगी की नए सिरे से शुरुआत की और उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। देश में 14 अगस्त विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 1947 में 14 अगस्त के दिन पाकिस्तान तथा 15 अगस्त को भारत को एक पृथक राष्ट्र घोषित कर दिया गया।

संबोधन के दौरान नीतिगत पहलों और नई योजनाओं की कर सकते हैं घोषणा

पंद्रह अगस्त को मोदी के भाषणों में हमेशा उस समय के प्रमुख मुद्दे और उनके कार्यकाल में देश के विकास पर चर्चा होती है, और वे अक्सर नीतिगत पहलों या नई योजनाओं की घोषणा भी अपने संबोधन में करते हैं। पिछले साल 15 अगस्त को अपने 98 मिनट के संबोधन में, उन्होंने वर्तमान 'सांप्रदायिक' और 'भेदभाव' को बढ़ावा देने वाली संहिता के बजाय एक 'धर्मनिरपेक्ष' नागरिक संहिता और एक साथ चुनाव कराने की स्पष्ट वकालत की थी। उन्होंने घोषणा की थी कि अगले पांच वर्षों में देश में 75,000 और मेडिकल सीटें सृजित की जाएंगी। महिलाओं के विरुद्ध अपराध जैसी सामाजिक बुराइयों को भी उनके कुछ भाषणों में प्रमुखता से उठाया गया है और स्वच्छता तथा महिलाओं व पारंपरिक रूप से वंचित समुदायों के सशक्तीकरण के लिए उनके प्रयासों का भी प्रमुखता से उल्लेख किया गया है।

वार्षिक पास आज से, 15 रुपये में कीजिए टोल पार

- पास के लिए देने होंगे सालाना 3000 रुपये

बरेली। फास्टैग वार्षिक पास भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने उन वाहन चालकों के लिए शुरू किया गया है, जो एनएचएआई के टोल प्लाजा से नियमित गुजरते हैं। यह पास सालभर के लिए तय शुल्क 3000 रुपये का है, जिससे 200 बार टोल प्लाजा को पार किया जाएगा। साथ ही आंकड़ा लगाया जाए तो इसका खर्च काफी कम 15 रुपये प्रति टोल आएगा। यह योजना 15 अगस्त से देशभर के एनएचएआई के टोल प्लाजा पर लागू हो जाएगी। इसका रिचार्ज करना आसान और किफायती है। उदाहरण के तौर पर बरेली से दिल्ली तक की यात्रा के दौरान छह एनएचएआई के ट्रोल पड़ते हैं, जिसका औसतन खर्च 760 रुपये है जो पास लेने पर मात्र 15 रुपये प्रति टोल होगा और 90 रुपये और बरेली से दिल्ली तक के लिए मात्र 90 रुपये का ही भुगतान करना होगा

आवेदन और प्रक्रिया : वार्षिक पास के लिए वाहन मालिक टोल प्लाजा के कस्टमर सर्विस सेंटर, बैंक पार्टनर या एनएचएआई अधिकृत वेबसाइट/एप पर आवेदन करना होगा। शुल्क देने पर पास पूरे वर्ष के लिए सक्रिय हो जाता है। यह पास केवल एनएचएआई के ट्रोल प्लाजा के लिए मान्य है, यह योजना देशभर के एनएचएआई टोल प्लाजा पर ही उपलब्ध है।

बरेली से दिल्ली तक की यात्रा में 760 की जगह 90 रुपये टोल

बरेली से दिल्ली की यात्रा के दौरान छह एनएचएआई के टोल प्लाजा है, जिस पर अलग-अलग टोल टैक्स है। यात्रा के दौरान टोल का आने वाला खर्च 760 रुपये होता है। वहीं वार्षिक पास लें तो यह खर्च काफी कम होगा और प्रति टोल 15 रुपये के हिसाब से मात्र 90 रुपये का भुगतान ही करना होगा। साथ ही इससे समय और पैसा दोनों की बचत होगी।

फास्टैग वार्षिक पास रिचार्ज करने का तरीका

फास्टैग वार्षिक पास का रिचार्ज ऑनलाइन और ऑफलाइन किया जा सकता है। ऑनलाइन के लिए अपने बैंक या एनएचएआई फास्टैग से जुड़े मोबाइल एप या वेबसाइट पर लॉगिन कर शुल्क का भुगतान करें, जिसके बाद पास सक्रिय हो जाएगा। ऑफलाइन रिचार्ज के लिए टोल प्लाजा के कस्टमर सेंटर या बैंक पार्टनर पर जाएं। विवरण दें, शुल्क जमा करें।

एक वर्ष में 200 बार कर सकते हैं टोल प्लाजा पार

वार्षिक पास प्री-पेड से वाहन चालक टोल टैक्स का सालाना भुगतान कर 200 बार टोल प्लाजा का लाभ ले सकते हैं। यह योजना खासतौर पर उन लोगों के लिए है, जिन्हें रोज़ाना टोल से आवागमन करना पड़ता है। फास्टैग के जरिए गाड़ी में लगे आरएफआईडी (रेडियो फ्रीक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन) स्टिकर को स्कैन कर टोल बैरियर स्वतः खुल जाता है, जिससे रुकने की जरूरत नहीं होती। इस पास का शुल्क अलग-अलग टोल प्लाज़ा और वाहन श्रेणी के अनुसार तय किया गया है।

थोक महंगाई जुलाई में शून्य से 0.58 फीसदी नीचे पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

दो साल का निचला स्तर

- खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों में गिरावट का असर

खाद्य वस्तुओं एवं ईंधन की कीमतों में गिरावट के बीच थोक मुद्रास्फीति (महंगाई) जुलाई में दो साल के निचले स्तर शून्य से नीचे 0.58 प्रतिशत पर आ गई है। गुरुवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

विशेषज्ञों ने हालांकि अनुमान लगाया है कि अगस्त में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति बढ़ सकती है क्योंकि आधार प्रभाव कम हो जाएगा और मौसमी मूल्य वृद्धि जारी रहेगी। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीओई) आधारित मुद्रास्फीति जून में शून्य से नीचे 0.13 प्रतिशत और जुलाई, 2024 में 2.10 प्रतिशत रही थी। उद्योग मंत्रालय ने कहा कि मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, खनिज तेलों, कच्चे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, मूल धातुओं के विनिर्माण आदि की कीमतों में कमी के कारण थोक मुद्रास्फीति शून्य से नीचे रही है। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में जुलाई में 6.29 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जबकि जून में इनमें 3.75 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

सब्जियों के दाम में भारी गिरावट देखी गई। जुलाई में इनकी कीमतों में 28.96 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि जून में यह 22.65 प्रतिशत घटी थी।

पहलगाम जैसे हमलों को अनदेखा नहीं कर सकते

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

- जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य के दर्जे पर केंद्र से मांगा जवाब

उच्चतम न्यायालय ने जम्मू कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का अनुरोध करने वाली याचिका पर गुरुवार को केंद्र से जवाब मांगा और कहा कि हाल में पहलगाम घटना सहित जमीनी हकीकत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी आर गवई ने कहा कि आपको जमीनी हकीकत को भी ध्यान में रखना होगा। पहलगाम में जो हुआ, उसे आप नजरअंदाज नहीं कर सकते।

वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन समेत वकीलों ने शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया था, जिसके जवाब में सीजेआईने यह टिप्पणी की। उनके साथ पीठ में न्यायमूर्ति के. विनोद भी शामिल रहे। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका खारिज करने का अनुरोध किया और कहा कि पहले भी अदालत ने ऐसी याचिकाओं पर जुर्माना लगाया था। मेहता ने कहा कि चुनाव होते हैं, 'मॉय लॉर्ड' देश के इस हिस्से से उभरने वाली विशेष स्थिति से अवगत हैं और निर्णय लेने की प्रक्रिया में कई विचार शामिल हैं।

पीठ ने शिक्षाविद् जहूर अहमद भट और सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता अहमद मलिक द्वारा दायर याचिका को आठ सप्ताह के बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया।

डीप मिशन

अंतरिक्ष में छलांग लगाने के बाद भारत की समुद्र में धमक

समुद्र में 5,000 मीटर गहराई तक गया भारतीय

नई दिल्ली, एजेंसी

शुभांशु शुक्ला के अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बनने के करीब महीने भर बाद, भारत ने इस माह की शुरुआत में अपनी तरह के पहले अभियान में एक गोताखोर को समुद्र में 5,000 मीटर की गहराई तक भेजा। भारत के महत्वाकांक्षी डीप ओशन मिशन की तैयारी के तहत, फ्रांस के साथ साझेदारी में दो भारतीयों ने पांच और छह अगस्त को फ्रांसीसी पनडुब्बी नॉटाइल में उत्तरी अटलांटिक महासागर में एक-एक गहरा गोता सफलतापूर्वक लगाया।

राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान के वैज्ञानिक राजू रमेश पांच अगस्त को सागर में 4,025 मीटर नीचे गए, जिसके बाद छह अगस्त को भारतीय नौसेना कमांडर (सेवानिवृत्त) जतिंदर पाल सिंह ने 5,002 मीटर की गहराई तक गोता लगाया। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि एक भारतीय अंतरिक्ष में और एक भारतीय गहरे समुद्र में लगभग एक साथ जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत की दोहरी विजय की खोज पहले ही शुरू हो चुकी है... एक अंतरिक्ष में और दूसरी गहरे समुद्र में तथा यह भारत की आर्थिक विकास की कहानी में इन दोनों क्षेत्रों के मूल्यवर्धन की शुरुआत होगी, जो पिछले सात-आठ दशकों में अपेक्षाकृत कम खोजे गए या पूरी तरह से अनछुए रहे हैं। सिंह ने कहा कि भारत से एक भारतीय अंतरिक्षयान में अंतरिक्ष में जा सकता है और उसी समय एक या अधिक भारतीय स्वदेश विकसित पनडुब्बी में गहरे समुद्र में जा सकते हैं।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम रविचंद्रन ने कहा कि यह अभियान भारत के गहरे महासागर मिशन के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि भारत स्वदेशी पनडुब्बी मत्स्य 6000 में गहरा गोता लगाने से पहले उसी पनडुब्बी में कई और गोता लगाएगा, जो दिसंबर 2027 के आसपास हो सकता है। समुद्रयान के नाम से मशहूर डीप ओशन मिशन को 2021 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी थी और इसे पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। मत्स्य 6000 को 2.1 मीटर व्यास वाले टाइटेनियम मिश्र धातु के गोले के अंदर तीन लोगों को 6,000 मीटर की गहराई तक ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है, जो अत्यधिक दबाव को सहन करने में सक्षम है।

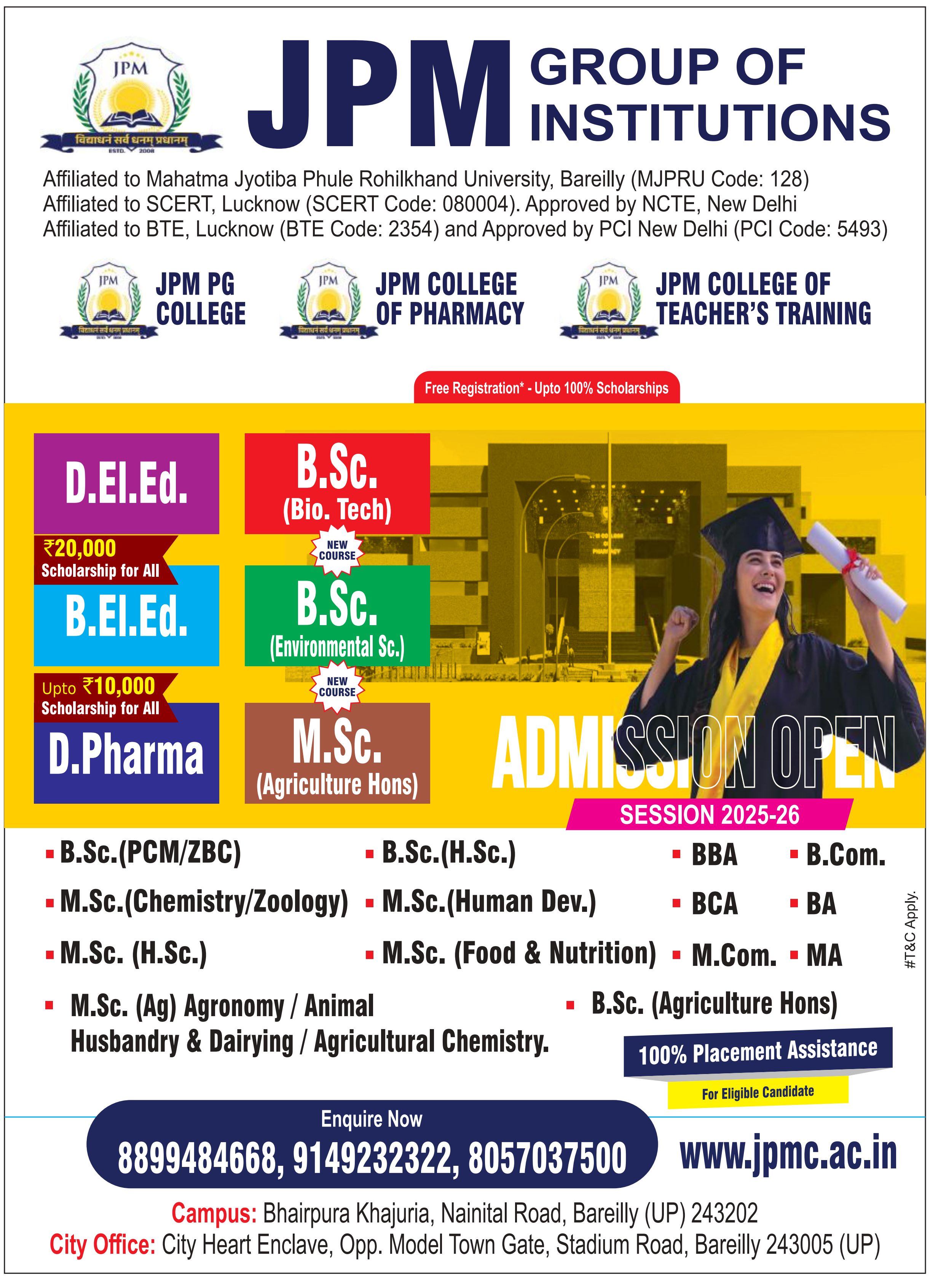

आप सभी को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

जश्ने योमे आजादी पर तहे दिल से दिली मुबारकबाद
शक्ति बिल्डर्स
पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
MD. Sabir Khan
DEALER BIRLA SAMRAT ULTIMATE CEMENT
Company Outlet Distributor
DEALER: TATA WIRON ACC KJS MP BIRLA GROUP
Mob.+91-9897020974, +91-8218586832

जश्ने योमे आजादी पर तहे दिल से दिली मुबारकबाद
डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटर) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
आयुष्मान योजना अन्तर्गत स्वास्थ्य लाभ मुफ्त
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर
स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

आप सभी देशवासियों को 79वें स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
शुद्ध सोने एवं चाँदी के सिक्के भी उपलब्ध
TJ JEWELLERS
TANYA JEWELLERS
An Exclusive Range of Gold & Silver Jewellery
465, Alamgiriganj, Bareilly. Mob.: 9412604388, 9219930044

आप सभी देशवासियों को
79वें स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
एड. मुनीश कुमार सक्सेना
कार्यालय : चैम्बर नं. 27, ब्लाक-ई बंगलिया बिल्डिंग, बरेली।
Mob.: 9997389012

आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
STAR CHARITABLE BLOOD CENTRE BAREILLY
स्टार चैरिटेबल ब्लड सेन्टर
ब्लड कम्पोनेन्ट्स् एवं एफेरेसिस सेन्टर
License No.: BBF28C2025UP000017
विश्वसनीय और सुरक्षित रक्त पाएँ
ब्लड बैंक
ब्लड बैंक मैप के लिए स्कैन करें
प्लॉट नं. 106/2, प्रथम तल, इंडियन बैंक के ऊपर, निकट बजरंग ढाबा पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली (उ.प्र.) 243001
0581-3533948, 7830077741
7830077742, 9045837275

आप सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनायें
पंकज अग्रवाल
श्री बाँके बिहारी हीरो
बाईपास रोड, बरेली।
9289922497, 9675235678
राधा रानी ऑटोमोटिव
BSNL ऑफिस के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली।
9837055565, 7409819090

आप सभी देशवासियों को
79वें स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
एड. संतराम कश्यप
पूर्व जिला पंचायत सदस्य
(मोटर एक्सीडेंट क्लेम विशेषज्ञ)
Mob.: 9719635077

आप सभी देशवासियों को
79वें स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
एड. प्रियभाषिनी पाठक
कार्यालय : चैम्बर नं. 11, बड़ा वकालतखाना, सिविल कोर्ट, बरेली।
Mob.: 9837339116

ADITYA
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
की ओर से आप सभी को
79वें स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
15th August
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक से आधुनिक लैंस प्रत्यारोपण की सुविधा।
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध।
IOL Master 700 द्वारा लैंस का नंबर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध।
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समयः- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
T.P.A. सुविधा उपलब्ध।
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CATARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

आप सभी देशवासियों को
79वें स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
सीए राजेन विद्यार्थी
"रोटरी गवर्नर नामित"
प्रेमनगर, बरेली

आजादी का अमृत महोत्सव
आप सभी को 79 वें स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
OPSUMS ADVANCED LAPAROSCOPY
सभी लेप्रोस्कोपिक सर्जरी
चीरे द्वारा ऑपरेशन
नॉर्मल डिलीवरी एवं सिजेरियन
इनफर्टिलिटी
● मेडिसिन विभाग/बाल रोग विभाग
● हड्डी रोग/नाक, कान, गला रोग
● न्यूरो सर्जरी/यूरोलॉजी
● आई.सी.यू.
24/7 Emergency Services
Dr. Om Kumar Sharma
M.S., FMAS, FAIS, FALS
Dr. Shashi Bala Patel
M.S. (Obs. & Gynae)
श्री बेगराज मेमोरियल हॉस्पिटल
SHRI BEGRAJ MULTI SPECIALITY
100 Feet Road, Bareilly | Call/Whatsapp : 8077778055, 9458228617
shribegrajmemorialhospital@gmail.com www.opsums.com

आप सभी देशवासियों को
79वें स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. अर्चना अग्रवाल डॉ. सौम्या अग्रवाल डॉ. शरद अग्रवाल
साईं हॉस्पिटल
साईं पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट
साईं सुखदा हॉस्पिटल, बरेली
पता : पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली। मो. 7253077077

आजादी के बाद भी देश की नींव मजबूत करने में जुटे रहे सेनानी

जिले के 20 से ज्यादा सेनानी लोकसभा, विधानसभा सदस्य, जिला परिषद और नगर पालिका के चेयरमैन और सदस्य के रूप में जनप्रतिनिधि भी बने

- बरेली के 398 स्वतंत्रता सेनानियों ने किया था सर्वस्व निछावर
- आजादी दिलाने के बाद भी नहीं थके, योजनाओं को किया साकार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : आजादी की जंग में बरेली जनपद के 398 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अपना सर्वस्व निछावर कर दिया था। 79 वां स्वतंत्रता दिवस मनाने के दौरान 15 अगस्त 1947 की सुबह की अनुभूति तो नहीं है, मगर वो गर्व भरे पल हम सभी के दिलों में आजादी का अहसास हमें कराते हैं। देश को आजादी दिलाने के बाद भी सेनानियों ने जिले की नींव को मजबूत करने में भी अपना योगदान दिया। जिले के 20 से ज्यादा सेनानी लोकसभा, विधानसभा सदस्य, जिला परिषद और नगर पालिका के चेयरमैन और सदस्य के रूप में जनप्रतिनिधि भी बने थे।

बरेली जनपद का इतिहास स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदानों से भरी हुई है। सरकारी आंकड़ा 398 का है, लेकिन न जाने कितने ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे, जिन्होंने अपना सब कुछ लुटाकर स्वतंत्रता आंदोलन को धार दी थी, लेकिन इतिहास के पन्नों में दर्ज नहीं हो सके। सरकारी दस्तावेजों के अनुसार स्वतंत्रता सेनानियों का रिकार्ड देखने पर 20 से अधिक उन सेनानियों का जिक्र सामने आया, जिन्होंने देश को आजादी दिलाने के बाद भी देश को तरक्की की राह पर ले जाने का प्रयास किया। ये सेनानी लोकसभा और विधानसभा सदस्य, जिला परिषद और नगर पालिका बरेली के चेयरमैन और सदस्य के रूप में लंबे समय तक कार्य किया और बरेली को समृद्धि की ओर से ले जाने का काम किया था।

जिला प्रशासन के रिकार्ड से लिए गए कुछ स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की संक्षिप्त गाथा के कुछ अंश, जिन्होंने राजनेता बनकर भी जनकल्याण के हक में काम किया था। इसमें जियाराम सक्सेना निवासी बमनपुरी, असहयोग आंदोलन के सक्रिय कार्यकर्ता रहते हुए 1922 में 3 वर्ष की कैद हुई। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य के साथ नगर पालिका बरेली के चेयरमैन भी रहे थे। टिकैत राम वर्मा पुत्र बंशीधर निवासी महावीर टोला कूंचा मुंशी भागीरथ, 1920 में असहयोग आंदोलन में शामिल हुए। स्कूलों और कालेजों का बायकाट कर आंदोलन को सफल बनाने को कौम परस्त अखबार निकालकर लोगों को एकजुट किया और जेल भी गए थे। 1930 से 1931 तक शहर कांग्रेस कमेटी बरेली के प्रधान रहे। दामोदर स्वरूप सेठ पुत्र बहादुर लाल सेठ निवासी बिहारीपुर, आरंभ से ही क्रांतिकारी थे। प्रसिद्ध काकोरी केस के मुकदमे के अभियुक्त थे। कई बार जेल गए। वह अंतरित संसद के सदस्य रहने के साथ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रधान भी रहे थे।

दुर्राब सिंह पुत्र कंधर सिंह निवासी उरला थाना आंवला को व्यक्तिगत सत्याग्रह आंदोलन के दौरान छह माह की कैद हुई थी। जिला परिषद के सदस्य भी रहे। नौरंगलाल पुत्र शंकर लाल निवासी बमनपुरी, सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लेने पर छह माह कैद हुई। सत्याग्रह आंदोलन में शामिल होने पर एक वर्ष तक जेल रहे। भारत छोड़ो आंदोलन में 9 अगस्त 1942 में जेल गए और 1944 से सेंट्रल जेल बरेली से छूटे थे। जिला भ्रष्टाचार निरोधक समिति के अध्यक्ष रहने के साथ 1962 से लेकर 1967 तक उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य भी रहे। पृथ्वी राज सिंह निवासी बुधौली थाना भुता, डिप्टी कलेक्टर का पद त्यागकर कांग्रेस में शामिल हुए। 19 वर्षों तक जिला कांग्रेस कमेटी बरेली के अध्यक्ष रहे। उन्हें नमक सत्याग्रह आंदोलन में छह माह की सजा हुई। 1937 में विधानसभा के सदस्य भी रहे थे। प्रताप चंद्र आजाद पुत्र रंगीलाल सिन्हा निवासी रामबाग (रामपुर गार्डन), 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में जेल गए थे। 1947 में उत्तर प्रदेश छात्र संघ के अध्यक्ष रहे। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य रहने के साथ जिला परिषद बरेली के अध्यक्ष भी रहे। ब्रज मोहन लाल शास्त्री पुत्र भजन लाल निवासी कूचा सीताराम, असहयोग आंदोलन में पढ़ाई छोड़ी। 1930 में आईपीसी की धारा 124 में दो वर्ष की सजा हुई। भारत छोड़ो आंदोलन में 30 माह तक नजरबंद रहे।

बाद में नगर और जिला परिषद के अध्यक्ष रहे। उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य भी रहे। बाबूराम पुत्र भोलानाथ निवासी ग्राम चठिया बरेली, सत्याग्रह आंदोलन में नौ माह सजा काटी। भारत छोड़ो आंदोलन में 18 माह जेल में रहे। आजादी मिलने के बाद 1957 में विधानसभा सदस्य भी चुने गए थे। मोती सिंह वकील निवासी बुधौली फरीदपुर, असहयोग आंदोलन में भाग लेने पर 1921 में छह माह की सजा काटी। बरेली जिला बोर्ड के चेयरमैन भी रहे थे। शिवराज बहादुर पुत्र मुंशी हजारी लाल निवासी बीजाऊ तहसील नवाबगंज, 1941 में वह आजाद प्रेस में सरकार विरोधी इश्तहार छापने में पकड़े गए और मुकदमा चला। इसके बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य भी रहे। सतीश चंद्र पुत्र बृजलाल निवासी नया टोला आलमगिरीगंज, 1936 में कांग्रेस से जुड़े।

कमिश्नरी स्थित अमर शहीद स्तंभ। ● अमृत विचार

इन्होंने कई आंदोलन में निभाई थी अहम भूमिका

अब्दुल रऊफ निवासी आजमनगर, 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कुछ दिनों के लिए नजरबंद रहे, उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य रहे। अब्दुल वाजिद आनरेरी मजिस्ट्रेट का पद त्यागकर कांग्रेस में शामिल होने के बाद 1940 में व्यक्तिगत सत्याग्रह आंदोलन में भाग लिया और एक वर्ष कैद की सजा हुई। सेंट्रल असेंबली के सदस्य रहने के साथ बरेली नगर पालिका के अध्यक्ष भी रहे। अधो नारायन निवासी पूरनमल बजरिया, 1921 में असहयोग आंदोलन में भाग लेने पर छह माह कैद हुई, 1930 में नमक सत्याग्रह आंदोलन में छह माह जेल गए। व्यक्तिगत सत्याग्रह आंदोलन करने पर एक साल कैद हुई। भारत छोड़ो आंदोलन में शामिल होने पर 9 अगस्त 1942 को पकड़े और 1943 में छोड़े गए। यह नगर पालिका बरेली के सदस्य भी रहे। वहीं, गोपीनाथ साहू पुत्र कंटी लाल निवासी कूंचा रतनगंज, 1930 और 1940 में छह और नौ माह की सजा हुई। भारत छोड़ो आंदोलन के सिलसिले में 9 अगस्त 1942 को नजरबंद हुए, 1944 में जेल से छूटे। बाद में नगर पालिका बरेली के सदस्य रहे और जिला व कांग्रेस शहर कमेटी के अध्यक्ष भी रहे। चिरंजीव लाल गुप्ता पुत्र रामजीमल निवासी मोहल्ला जकाती, 1918 में अखिल भारतीय राष्ट्रीय अधिवेशन में बतौर बरेली के प्रतिनिधि शामिल हुए। 1920 में बरेली जिला कांग्रेस के उप मंत्री रहे। राजकीय और अराजकीय समितियों के सदस्य भी रहे।

डॉक्टर होकर भी आजादी में कूदे, बाद में विधायक भी बने

दरबारी लाल शर्मा निवासी जगतपुर, बारादरी, 1930 में एक वर्ष कैद हुई। सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लेने के कारण 1932 में छह माह कैद और 15 रुपये जुर्माना भी हुआ। इंडियन मेडिकल बोर्ड के सदस्य रहे। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य रहने के साथ जिला परिषद के अध्यक्ष भी रहे। वहीं कुसुम कुमारी पत्नी दरबारी लाल शर्मा, 1930 में कांग्रेस में शामिल हुईं और नमक सत्याग्रह आंदोलन में भाग लेने पर 1930 में ही छह माह कैद हुई। वह जिला परिषद बरेली की सदस्य भी रहीं।

पैरेंट्स की काउंसलिंग से बदली तस्वीर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : फतेहगंज पश्चिमी के प्राथमिक विद्यालय उदयपुर बन्नोजान के प्रधानाचार्य अमित यादव केवल अपनी नियमित ड्यूटी तक सीमित नहीं हैं। इस क्षेत्र में अधिकांश आबादी कम पढ़ी-लिखी है, लेकिन प्रधानाचार्य के कई प्रयासों के बाद विद्यालय में उपस्थिति रोजाना 80 प्रतिशत बनी हुई है।

प्रधानाचार्य अमित। ● अमृत विचार

अमित का कहना है कि बच्चों को पढ़ाने के अलावा उनके जीवन में बदलाव लाने का सबसे अच्छा तरीका है इनके अभिभावकों को भी जागरूक करना। इस क्षेत्र में कम पढ़े-लिखे अभिभावक अमूमन अपने बच्चों को भट्ठे पर या जयपुर काम कराने ले जाते हैं, ऐसे में अभिभावकों को बच्चों का पलायन कराने से रोकना मुश्किल होता है। विद्यालय के शिक्षकों के प्रयास के बाद इस क्षेत्र में मजदूर वर्ग के कई परिवारों ने बच्चों को दोबारा विद्यालय में लाने का निर्णय लिया है। बीते दिनों सबसे अधिक प्रभाव अभिभावकों की काउंसलिंग का पड़ा है। अमित का मानना है चाहें माता-पिता पढ़े-लिखे हों या नहीं उन्हें पीटीएम (पैरेंट्स टीचर मीटिंग) में आना अनिवार्य किया, फिर बच्चे के लिए क्या सही है इस पर उनसे चर्चा की गई। इससे माता-पिता भी अपने विचार और अपनी परेशानियां बताते हैं, जिसके बाद बच्चों के लिए आवश्यक कदम शिक्षक और अभिभावकों के सहयोग से उठाए जाते हैं। यही नतीजा रहा कि इस क्षेत्र के पिछड़े होने के बावजूद सभी माता-पिता अपने बेटे ही नहीं बेटियों को विद्यालय भेज रहे हैं। अमित एनसीईआरटी की वेबसाइट पर भी युवाओं की करियर काउंसलिंग करते हैं। अमित कहते हैं ये उनकी ड्यूटी का हिस्सा नहीं है लेकिन अगर हमारे समझाने से या करियर गाइडेंस देने से एक छात्र को सही दिशा मिल जाए तो इससे बेहतर कुछ नहीं है।

आजादी के जश्न में जगमग शहर

आजादी की पूर्व संध्या पर शहर पूरी तरह से जश्न में डूबा रहा। सरकारी भवनों पर तिरंगा लहराने के साथ ही रंग-बिरंगी रोशनी की गई है। तिरंगी रोशनी से चमकता कलेक्ट्रेट और कमिश्नरी का भवन। ● अमृत विचार

घर से निकल अस्तित्व का जश्न मना रहीं महिलाएं

क्लबों का चलन बढ़ा और इनमें महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ी, दस वर्षों में डिजिटल हुए कई महिला क्लब

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: चकाचौंध भरे जीवन में महिला क्लबों का भी तेजी से चलन बढ़ा है। क्लबों से जुड़ने वालों में महिलाओं की संख्या बढ़ती जा रही है। क्लबों की पहचान किट्टी पार्टी तक ही नहीं रह गई। वे समाज सेवा में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। कई क्लबों से बातचीत में यह बात सामने आई कि घर परिवार से कुछ समय निकालकर महिलाएं अपने अस्तित्व का जश्न मना रही हैं, ताकि वे घर गृहस्थी या नौकरी पेशे में ही न उलझी रहें।

बंगाली थीम पर आधारित कार्यक्रम में भाग लेतीं क्वीन्स क्लब की सदस्य। (फाइल फोटो)

महिला क्लबों से जुड़ी सदस्यों ने आर्थिक रूप से योगदान बढ़ाया तो वहीं महिलाओं की सक्रियता भी तेजी से बढ़ी है। श्रृंगार, मनोरंजन और सामाजिक सेवा का मिश्रण वाले ये क्लब समाज सेवा में भी आगे बढ़ रहे हैं। क्लबों की श्रृंखला में सबसे बड़े क्लबों में इनर व्हील, रोटरी क्लब हैं। इनर व्हील क्लब ऑफ बरेली साउथ की सचिव मनीषा मेहरा ने बताया, उनका क्लब करीब 10-12 साल पुराना है। पहले क्लब के माध्यम से छोटे सामाजिक कार्य करते थे, अब इन क्लब के द्वारा एकत्रित धनराशि के माध्यम से बड़े पैमाने पर सामाजिक कार्य करते हैं। हाल ही में 50 स्कूली छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर की निशुल्क वैक्सीन लगवाई थी, जिसका खर्च एक लाख से अधिक आया था। बड़े ट्रिप, टूर या पिकनिक भी क्लब के माध्यम से शुरू हो चुकी हैं। अब पार्टियों का

- **समय के साथ बड़े सामाजिक कार्यों में योगदान कर रहे महिला क्लब**
- **घर-गृहस्थी, नौकरी की उलझनों से बाहर निकल रहीं महिलाएं**

ट्रेंड बदला है, केवल कपड़ों और मेकअप से बढ़कर समाज में हो रही गतिविधियों पर गहन चर्चा होती है। जिसका निष्कर्ष निकालकर समाज में सकारात्मक असर डालने की कोशिश रहती है। महिलाओं के लिए स्वयं के अस्तित्व का जश्न मनाने का भी अवसर रहता है, जिसमें सभी की एक पहचान है। वर्तमान में 100 से अधिक महिलाएं जुड़ी हैं। अधिकतर पार्टियां या कार्यक्रम शाम में ही आयोजित किए जाते हैं। क्वीन्स क्लब की अध्यक्ष नीतिका गुप्ता ने बताया, क्लब को लगभग 10 साल हो गए। ये क्लब एक माध्यम है, महिलाओं के लिए घर परिवार के जीवन से कुछ समय के लिए निकालकर केवल अपने अस्तित्व का जश्न मनाने का। इससे उनके जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, केवल चार दीवारी में जीवन सीमित नहीं रहता। क्लबों में करवा चौथ, तीज, होली-दीपावली आदि पर फन गेम्स, नए परिधानों से भी क्लब की गतिविधियों पर चार चांद लग जाते हैं। वहीं, क्लबों से जुड़ी महिलाओं का भी यही कहना है कि दस सालों में सबसे बड़ा बदलाव डिजिटल युग का आया है। पहले क्लब के काम कॉपी-पेन पर होते थे, जो अब क्लब की कार्रवाई व हिसाब-किताब ऑनलाइन हो चुके हैं। सभी सदस्य ऑनलाइन अपडेट रहते हैं।

> क्लब में सभी का योगदान बढ़ा है। क्लब से जुड़ने वाली महिलाओं की संख्या भी बढ़ी है। क्लब की परंपरा जीवन का हिस्सा बन गयी है। महिलाओं के हंसने-बोलने, मनोरंजन करने व समाज के बारे में हटकर सोचने का मंच बन गया है।
> – **मनीषा मेहरा**, सचिव, इनर व्हील क्लब ऑफ बरेली साउथ

> अब क्लब केवल किट्टी पार्टी का साधन नहीं हैं। महिलाएं इससे जुड़कर समाज में सक्रियता दिखा रही हैं। क्लबों के माध्यम से महिलाओं को एक मंच अपनी बात रखने के लिए मिलता है। अपने पारिवारिक तनाव से निकलकर समाज के लिए कुछ सोचने का अवसर मिलता है। – **नीतिका गुप्ता**, फाउंडर सदस्य, क्वीन्स क्लब

> हमारे क्लब की शुरूआत 2006 में की थी। तब क्लब के माध्यम से पहुंच केवल जिले में ही हुआ करती थी, लेकिन अब 3110 मंडल के तहत कानपुर, मुरादाबाद, बदायूं, पीलीभीत समेत कई जिलों में हो चुकी है। जहां पहले केवल 10 हजार लोगों तक पहुंच थी, अब बढ़कर 50 हजार लोगों तक हो चुकी है। – **सविता मेहरोत्रा**, चार्टर्ड अकाउंटेंट, रोटरी क्लब ऑफ हेरिटेज

> इनर व्हील क्लब ऑफ बरेली नार्थ 2012 में ज्वाइन किया था। तब काम छोटे होते थे, अब बड़े होते हैं। महिलाओं का योगदान भी बड़ा है। पहले केवल घरों में ही पार्टी व मीटिंग हुआ करती थीं। लेकिन बाहर के होटल व रेस्टोरेंट में कार्यक्रम आयोजित करते हैं। – **अंशु अग्रवाल**, क्लब प्रोजेक्ट हेड, इनर व्हील क्लब ऑफ बरेली नार्थ

न्यूज ब्रीफ

किशोरी को उठा ले गए दबंग, परिजनों को सता रहा हत्या का डर

बरेली, अमृत विचार : सुभाषनगर थाना क्षेत्र में एक किशोरी को दबंग बहला-फुसला कर उठा ले गए। परिजनों को अब उसकी हत्या का डर सता रहा है। किशोरी के पिता की तहरीर पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों और किशोरी की तलाश कर रही है। थाना क्षेत्र निवासी व्यक्ति ने बताया कि 10 अगस्त को उसकी 16 वर्षीय बेटी सुबह 11 बजे घर से घरेलू सामान लेने के लिए अकेली बाजार गयी थी। उसके पास 42 सौ रुपये नकदी और वह सोने का कुंडल कानों में पहनी थी। लेकिन देर शाम तक वह वापस नहीं आई। काफी तलाश के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चला। उसके रिश्तेदारों ने बताया कि उसकी बेटी को अर्जुन सिंह, दुर्जन सिंह, राजकुमार, विवेक, योगेश, देवकी और दुर्जन सिंह की पत्नी निवासी जसरतपुर थाना बिसौली बदायूं के साथ जाते हुए देखा था। आरोप है कि ये सभी दबंग प्रवृति के हैं। उसके बेटी को कहीं पर छिपा कर रखा है। उसे डर है कि सभी लोग मिलकर उसकी हत्या न कर दें। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

शराब के नशे में घर में घुस कर युवती से की छेड़छाड़, रिपोर्ट दर्ज

बरेली, अमृत विचार : प्रेमनगर थाना क्षेत्र में एक युवक ने शराब के नशे में एक घर में घुस कर युवती से छेड़छाड़ की। विरोध पर उसके साथ मारपीट कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने बताया कि उसकी 24 वर्षीय बेटी बुधवार की रात करीब नौ बजे घर के दरवाजे पर खड़ी थी। जहां पर उमेश उर्फ काला निवासी वंशी नगला शराब के नशे में उनके घर में घुस गया। उसकी बेटी के साथ छेड़छाड़ करने लगा। बेटी ने शोर-शराबा शुरू किया तो उसे धक्का देकर मारपीट की और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है।

गन्ने को कीटों से बचाने को ड्रोन से होगा दवा का छिड़काव

बरेली, अमृत विचार : जनपद में ड्रोन के माध्यम से गन्ना समेत अन्य फसलों की कीट-रोगों से सुरक्षा की जाएगी। अपर मुख्य सचिव (चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास) वीना कुमारी ने गुरुवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में गन्ना फसल के संरक्षण और रोग नियंत्रण विषय पर हुई बैठक में उपायुक्त गन्ना और डीसीओ को चीनी मिलों के प्रबंधक, केन मैनेजर, फील्ड स्टाफ को प्रतिदिन क्षेत्र में भ्रमण करते हुए ड्रोन से रासायनिक दवाओं का छिड़काव कराने के निर्देश दिए हैं।

अपर मुख्य सचिव ने बैठक में बताया कि विभागीय अधिकारियों की ओर से अब तक स्थानीय जन प्रतिनिधियों से संपर्क स्थापित कर प्रदेश में कुल 2046 बाढ़ प्रभावित गन्ना ग्रामों का भ्रमण कर आख्या प्रस्तुत की गई है, जिसमें गन्ना किस्म को. 0238 में 237 हेक्टेयर रेड रॉट, 3033 हेक्टेयर पोक्का बोइंग एवं 3,349 हेक्टेयर टाप बोरर से प्रभावित गन्ना फसल मिली है। इसके उपचार के लिए विशेष अभियान चलाकर किसानों को ड्रोन की उपलब्धता सुनिश्चित कराते हुए दवाओं का छिड़काव कराने के निर्देश दिए हैं।

युवक को जमकर पीटा, हवाई फायरिंग कर फैलाई दहशत, चार के खिलाफ रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : सुभाषनगर थाना क्षेत्र में बहन से बात करने के शक में चार आरोपियों ने अपने 15 से 20 अज्ञात साथियों के साथ युवक की जमकर पिटाई की। विरोध करने पर हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाई। पीड़ित ने पास के जिम में भागकर किसी तरह अपनी जान बचाई। पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

थाना क्षेत्र के राजीव कालोनी निवासी अभिषेक कुमार भारती ने बताया कि बुधवार की देर शाम बैरुजा फैक्ट्री कलोनी निवासी शुभ चौहान ने

- **सुभाषनगर क्षेत्र का मामला, आरोपी को बहन से बात करने का शक**
- **आरोपियों की तलाश में जुटी सुभाषनगर पुलिस**

उसे फोन किया। फोन उठाते ही कहने लगा कि वह उसकी बहन से फोन पर बात करता है। इस पर उसने फोन काट दिया। आरोप है कि उसके बाद वह करगैना बाजार से अपने घर की तरफ आ रहा था। रास्ते में मसल स्टोन जिम के सामने शुभ चौहान अपने 15-20 साथियो के साथ मौजूद था। शुभ ने उसे रास्ते में रोक लिया और साइड में ले जाकर जातिसूचक गालियां देते हुए कहा कि उसकी बहन बेटियों से बात करता है। वह कुछ समझ पाता कि शुभ चौहान अपने साथी छोटू ठाकुर, उदित ठाकुर और आदित्य ठाकुर के साथ मिलकर लात-घूसों से मारना पीटना शुरू कर दिया। वह वहां से भागने लगा। इस पर छोटू ठाकुर ने उस पर पीछे से फायर किया। वह पास के जिम में ऊपर जाकर अपनी जान बचाई। आरोप है कि इसके बाद सभी ने हवाई फायरिंग करते हुए जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। सुभाषनगर थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

विभागीय जंजीरों में जकड़े ट्रामा विंग को मिलेगी आजादी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : गंभीर मरीजों के लिए जिला अस्पताल में एक साल से ट्रामा विंग बनकर तैयार है, लेकिन सालों तक विभागीय उदासीनता की जंजीरों में जकड़ा हुआ है। लेकिन अब स्वतंत्रता दिवस के बाद ट्रामा विंग इन जंजीरों से आजाद हो जाएगा।

ऐसा इसलिए कि अब विभाग ने ट्रामा विंग के संचालन को लेकर प्रयास युद्ध स्तर पर जारी कर दिए हैं। यहां स्टाफ की तैनाती के बाद अब उपकरण उपलब्ध कराने के लिए भी शासन को पत्र भेजा गया है। इस संबंध में जिला अस्पताल की एडीएसआईसी डॉ. अलका शर्मा

जिला अस्पताल परिसर में स्थापित ट्रामा विंग। ● अमृत विचार

ने बताया कि ट्रामा विंग के संचालन को लेकर शासन को पूर्व में ही पत्र भेजा गया था, जिसके चलते यहां इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर समेत अन्य स्टाफ की तैनाती भेजी गई है। वहीं जल्द ही उपकरण भी उपलब्ध कराने का आदेश मिला है जिसके चलते जल्द ही ट्रामा विंग का संचालन आरंभ होने की संभावना जताई जा रही है। इसका संचालन आरंभ होने से अति गंभीर मरीजों को त्वरित और बेहतर इलाज मिल सकेगा। ट्रामा विंग में ये सुविधाएं मिलेंगी

- **कोविड काल से जिला अस्पताल परिसर में चल रहा ट्रामा विंग का निर्माण**
- **लेकिन मरीजों को नहीं मिल पा रही सुविधा, बढ़ रहा रेफर मरीजों का ग्राफ**

ट्रामा विंग में इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर के साथ आर्थो और सर्जरी के विशेषज्ञ डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ 24 घंटे उपलब्ध रहेगा। ऑपरेशन थिएटर, एक्सरे रूम और पैथोलॉजी लैब होगी। छह बेड का आईसीयू होगा। साथ ही दो नर्सिंग स्टेशन और एक रिकार्ड रूम भी बनाया जाएगा।

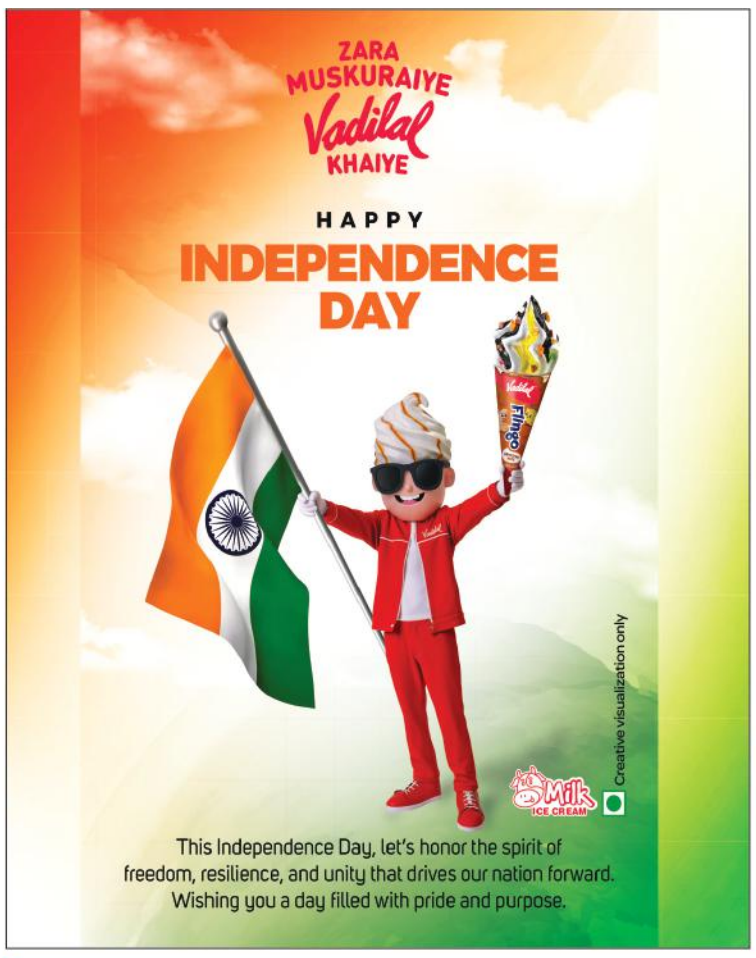

कार्यालय नगर पंचायत बिशारतगंज, बरेली

पत्रांक : 133/न.पं.बि./2025-26 दिनांक : 14.08.2025

नगर पंचायत बिशारतगंज (बरेली) द्वारा 15 अगस्त 2025 स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर अपने नगर वासियों से निम्न अपील करती है:-

अपील :

1. नगर को स्वच्छ बनाने में सहयोग करें।
2. स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत नगर बिशारतगंज को स्वच्छ रखने में सहयोग करें।
3. समय से जन्म मृत्यु पंजीकरण करायें।
4. ग्रहकर/जलमूल्य समय से जमा करें।
5. नगर पंचायत के समस्त करों का समय से भुगतान करें।
6. पानी की टोटी को खुला न छोड़ें। जल ही जीवन है।
7. खुले में शौच को न जायें। व्यक्तिगत, सार्वजनिक/सामुदायिक शौचाजलय का प्रयोग करें।
8. नगर पंचायत द्वारा लगवाये गये नीले डस्टबिन में सूखा व हरे डस्टबिन में गीला कूड़ा डालें।
9. घरों/दुकानों/व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर हरा व नीला डस्टबिन में कूड़ा एकत्र करें तथा सफाई कर्मी के आने पर कूड़ा उसे दें, सड़क पर कूड़ा न डालें।
10. सफाई कर्मी के सफाई कार्य करने के उपरान्त सड़क पर कूड़ा न डालें, जुर्माना से बचें।
11. पॉलीथीन प्रतिबन्धित है, इसका प्रयोग न करें।
12. अपने घरों के आस-पास अधिक से अधिक फलदार व छायादार वृक्ष लगायें।
13. मच्छर जनित रोगों से बचाव हेतु घरों के आस-पास पानी एकत्र न होने दें।
14. सीवर टैंक सफाई हेतु हेल्पलाइन नं. 14420 एवं साफ-सफाई हेतु हेल्पलाइन नं. 1533 पर कॉल कर सकते हैं।
15. नगर में सफाई, पथ-प्रकाश व्यवस्था एवं जलापूर्ति के सम्बन्धित किसी भी समस्या हेतु पालिका के हेल्पलाइन नं. 7302593234 पर सम्पर्क कर सकते है।

आशा ही नहीं विश्वास है कि आप नगर को स्वच्छ रखने में अपना पूर्ण सहयोग/योगदान प्रदान करेंगे।

(जितेन्द्र कुमार) अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत बिशारतगंज, बरेली | (मो. ताज) अध्यक्ष, नगर पंचायत बिशारतगंज, बरेली | (अविनाश सिंह) जिलाधिकारी, बरेली

उर्स के तीन दिन दरगाह पर हाजिरी न दें बरेली के जायरीन

दरगाह से जारी हुई अपील, विदेश और देश के अन्य हिस्सों से आने वाले जायरीन को दरगाह पर दें हाजिरी का मौका

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- दरगाह पर जायरीन की संख्या बढ़ने के चलते लिया गया फैसला, उर्स के बाद हाजिरी दें स्थानीय

अमृत विचार : उर्स-ए-रजवी को लेकर दरगाह आला हजरत की गलियों में रौनक बढ़ गई है। उर्स में शामिल होने के लिए बाहर के जायरीन आने शुरू हो गए हैं। इसको लेकर दरगाह आला हजरत के सज्जादानशीन ने अपील करते हुए कहा है कि बरेली के जायरीन उर्स तक हाजिरी नहीं दें। बाहर से आने वाले जायरीन को दरगाह पर हाजिरी देने का मौका दें।

उर्स-ए-रजवी 18,19,20 अगस्त को मनाया जाएगा। इस्लामिया मैदान से लेकर दरगाह आला हजरत तक तैयारियां अंतिम चरण में हैं। देश-विदेश के जायरीन की आमद शुरू हो चुकी है। दरगाह की गलियों में रौनक देखी जा रही है। बाहर के जायरीन चादरपोशी और गुलपोशी के लिए दरगाह पर हाजिरी दे रहे हैं। इसके साथ ही स्थानीय लोग भी लगातार हाजिरी देने के लिए पहुंच रहे हैं। ऐसे में बाहर से आने वाले जायरीन को दिक्कत हो रही है। दरगाह आला हजरत पर लगातार बढ़ रही है।

भीड़ के चलते सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन रजा कादरी (अहसन मियां) ने शहर व आसपास के लोगों से अपील करते हुए कहा कि उर्स में दुनिया भर से अकीदतमंद शिरकत करने साल में एक बार ही आ पाते हैं। सभी की तमन्ना रहती है कि वो अपने मोहसिन की बारगाह में हाजिर होकर फातिहा, दुआ और फूल पेश कर लें। अत्यधिक भीड़ के चलते बहुत से अकीदतमंद हाजिरी नहीं दे पाते। ऐसे में शहर व आसपास के बाशिंदों से अपील है कि वो कुल शरीफ व अन्य कार्यक्रमों में तो शिरकत कर लें, लेकिन दरगाह पर हाजिरी उर्स शुरू होने से पहले या फिर उर्स के समापन के बाद दे लें। उर्स के इन तीन दिन देश विदेश से आने वाले अकीदतमंदों को हाजिरी देने के लिए पहले मौका दे दें।

मथुरापुर मदरसे में उर्स की तैयारियां का जायजा लेते नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य। • अमृत विचार

उर्स की तैयारियों को लेकर हुई बैठक : उर्स-ए-रजवी की तैयारियां को लेकर गुरुवार सुबह दरगाह परिसर में बैठक का आयोजन हुआ, जिसमें दरगाह प्रमुख मौलाना सुब्हान रजा खान (सुब्हानी मियां) की सरपरस्ती, सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन रजा कादरी (अहसन मियां) की सदारत व सय्यद आसिफ मियां की निगरानी में कई अहम बिंदुओं पर चर्चा की गई। जिसमें उलमा, सभी रजाकार, लंगर कमेटियों, अंजुमन के सदस्यों के अलावा टीटीएस वालंटियर्स शामिल हुए। दरगाह के जुड़े नासिर कुरैशी ने बताया बैठक का आगाज मुफ्ती जईम रजा ने कुरान की तिलवात से किया।

हाजी गुलाम सुब्हानी और आसिम नूरी ने नात का नजराना पेश किया। बैठक में शामिल लोगों से सुझाव मांगे गए। मुफ्ती अय्यूब खान नूरी व मुफ्ती कलीम उर रहमान कादरी ने कहा कि आला हजरत के मेहमान हमारे मेहमान हैं, उनसे बड़े ही मुहब्बत के साथ पेश आना है। संचालन करते हुए हाजी जावेद खान व औरंगजेब नूरी ने सभी को आश्वस्त किया कि दरगाह स्तर से जो भी लंगर कमेटी और वालंटियर्स को दिक्कत आती है, उनकी समस्या का समाधान किया जाएगा।

जायरीनों की सेहत बिगड़ेगी तो तुरंत मिलेगा इलाज

- आगामी 18 से 20 अगस्त तक शहर में आला हजरत के उर्स के मौके पर शिरकत करने आएंगे लाखों जायरीन

बरेली, अमृत विचार : आगामी 18 से 20 अगस्त तक आला हजरत के उर्स पर देश–विदेश से लाखों जायरीन शहर में आएंगे, ऐसे में प्रशासन पूर्व से ही अलर्ट हो गया है, वहीं डीएम अविनाश सिंह ने सीएमओ को भी जायरीनों की सेहत के मद्देनजर टीमें गठित करने का आदेश दिया है। जिसके चलते सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह ने स्वास्थ्य शिविर लगाने के लिए दो टीमें गठित करने के साथ ही एक 108 एंबुलेंस को भी आयोजन स्थल पर तैनात करने के आदेश दिए हैं। सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि उर्स में बड़ी संख्या में जायरीन आते हैं ऐसे में अगर किसी की तबीयत बिगड़ती है तो उसे फौरन प्राथमिक उपचार मिल सके, इसके लिए इस्लामिया मैदान और मथुरापुर स्थित मदरसे पर स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। वहीं अगर किसी मरीज की हालत गंभीर होती है तो उसे फौरन निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर भेजा जा सके इसके लिए एंबुलेंस भी तैनात रहेगी। किसी भी प्रकार की अनियमितता न हो इसके लिए एनयूएचएम के नोडल अधिकारी डॉ. अजमेर सिंह को निगरानी करने के लिए आदेशित कर दिया गया है।

एसएसपी से सीएमओ तक की 100 रुपये में लगाता था मोहर

बरेली, अमृत विचार : कोतवाली पुलिस के हत्थे चढ़ा नैनीताल रोड बिलवा पुल निवासी आरोपी अमानुद्दीन एसएसपी से लेकर सीएमओ तक की 100 रुपये में मोहरें लगाता था। इतना ही नहीं अगर कोई मोहरें खरीदना चाहे तो उसे पांच सौ रुपये में बेचता था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

कोतवाली प्रभारी अमित पांडेय ने बताया कि बुधवार को आर्मी इंटेलीजेंस लखनऊ की सूचना पर पुलिस टीम ने इंदिरा मार्केट से आरोपी को गिरफ्तार किया था। आरोपी सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं की फर्जी मोहरें बनाने का काम करता है। वह जाली दस्तावेज भी बनाता है। आरोपी के पास से सरकारी व गौर सरकारी संस्थाओं की 44 मोहरें मिलीं थीं। काफी संख्या में अध निर्मित मोहरें भी बरामद की गईं। इनमें एसएसपी, सीएमओ, डीआईओएस, बीएसए, सीईओ कैंट, सैन्य छावनी आदि की मोहरें भी शामिल हैं। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने सेना भर्ती कार्यालय के जाली कागजात भी बरामद किए।

सूझबूझ से अपने बच्चों को एचआईवी से बचा रहे डिस्कोरडेंट कपल

अंकित चौहान, बरेली

- जिला महिला अस्पताल में बने पीपीसी-टीसी केंद्र पर एचआईवी संक्रमित मां या बाप ने लिया समुचित इलाज, प्रसव के बाद जांच में शिशु नही हुआ संक्रमित
- बीते वर्षों में जागरूकता के चलते उजागर हुए मामले, गर्भावस्था के दौरान ही शिशु को बचाने के लिए आरंभ किया इलाज

अमृत विचार: हर मां-बाप ये चाहते हैं कि उनका बच्चा सेहतमंद रहे। बच्चे के जन्म लेने से पूर्व ही गर्भावस्था के दौरान ही महिला तमाम जतन करती है लेकिन कुछ ऐसे भी दंपति हैं जिनमें एक पार्टनर एचआईवी से ग्रसित है लेकिन सूझबूझ और समय से इलाज आरंभ करने से उनका बच्चा इस जानलेवा संक्रमण की गिरफ्त में नहीं आया है।

जिला महिला अस्पताल में स्थापित प्रिवेंशन ऑफ पेरेंट्स टू चाइल्ड ट्रांसमिशन सेंटर (पीपीसीटीसी) में वर्ष 2024 में ऐसे चार मामले आए जिनमें मां या फिर पिता के एचआईवी पॉजिटिव होने के बाद भी बच्चे को ये संक्रमण नहीं हुआ है।

ऐसे दंपति कहलाते हैं डिस्कोरडेंट कपल : पीपीसीटीसी केंद्र की काउंसलर नीरज के अनुसार डिस्कोरडेंट कपल में एक साथी एचआईवी पॉजिटिव होता है और दूसरा एचआईवी नेगेटिव।

इस स्थिति में पॉजिटिव साथी से नेगेटिव साथी में संक्रमण फैलने का खतरा होता है, लेकिन प्रभावी रोकथाम रणनीतियों, जैसे कि पॉजिटिव साथी के लिए उपचार और नियमित कंडोम का इस्तेमाल, से इस खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

ऐसे किया बच्चे का बचाव

दरअसल, मां या फिर पिता के एचआईवी संक्रमित होने पर अगर एआरटी (एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी) ट्रीटमेंट फौरन आरंभ कर लिया जाता है तो संबंधित मरीज के शरीर में समय से दवा का सेवन करने से वायरल लोड 1000 कॉपिज से भीतर ही रहता है बच्चे में इस संक्रमण के फैलने के आसार न के बराबर होते हैं। जो भी दंपति के एक साथी में एचआईवी की पुष्टि हुई है इन्होने समय पर एआरटी ट्रीटमेंट आरंभ किया है जिससे उनके बच्चे इसकी गिरफ्त में नहीं आए हैं।

पहला बच्चा संक्रमित मिलने पर लिया एआरटी ट्रीटमेंट दूसरा बच्चा पैदा हुआ निगेटिव

केस 1 पीपीसीटीसी से मिली रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में फरवरी में शहर के राजेंद्र नगर निवासी महिला केंद्र पर आई बताया कि वह एचआईवी संक्रमित है लेकिन पति नहीं है, एक साल पहले बच्चा हुआ उस दौरान एआरटी ट्रीटमेंट नहीं लिया था तो वह बच्चा भी पॉजिटिव हो गया। महिला ने गर्भधारण से पूर्व एआरटी ट्रीटमेंट लिया और बीते दिसंबर में बच्चे को जन्म दिया जो कि जांच में निगेटिव पाया गया।

पति संक्रमित, लेकिन बच्चा और मां निगेटिव

केस 2 बीते वर्ष 2023 के नवंबर में बहेड़ी निवासी महिला ने केंद्र पर काउंसिलिंग के दौरान बताया कि हाल ही में उसकी शादी हुई है, लेकिन तबियत खराब होने पर पति ने जांच कराई तो वह एचआईवी से ग्रसित मिले हैं। उसने बताया कि वह एक माह की गर्भवती है। इस पर सेंटर से पति का इलाज आरंभ हुआ और इस महिला का बच्चा वर्ष 2024 के जनवरी में हुई जांच में निगेटिव पाया गया है।

विभीषिका स्मृति दिवस

रानी अवंतीबाई महिला महाविद्यालय में विभीषिका स्मृति दिवस पर चित्रकला प्रदर्शनी देखतीं प्राचार्य व शिक्षिकाएं।

नाथनगरी बनी बरेली की पहचान, पुलों ने बढ़ाई विकास की रफ्तार

कभी झुमका और सुरमा नगरी के रूप में थी पहचान, महानगर से ग्रेटर बरेली भी जुड़ गई, तेजी से क्षेत्र का भी हो रहा विस्तार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

बदायूं रोड स्थित तपेश्वरनाथ नाथ मढ़ीनाथ द्वार। ● अमृत विचार

जाम की समस्या दूर करने के लिए शहर के बीचोबीच बना कुतुबखाना पुल। ● अमृत विचार

अमृत विचार : बरेली में पांच साल से लगातार बदलाव हो रहा है। ऐतिहासिक प्राचीन भव्यता को समेटे नाथ मंदिरों को लेकर आध्यात्मिक नजरिये से बरेली नाथनगरी के रूप में देश में अपनी विशेष पहचान बना रही है, दूसरी ओर भौगोलिक क्षेत्रफल से बरेली विस्तार ले रही है, जहां आमजन की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सुख सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं, वहीं पांच साल में बने छह पुलों ने विकास की रफ्तार भी बढ़ाई है। इससे ट्रैफिक व्यवस्था में बेहतर सुधार हुआ है। नाथनगरी की शोभा बढ़ाने के लिए बरेली विकास प्राधिकरण ने काफी प्रयास किए हैं।

आध्यात्मिक और पर्यटन के रूप में बरेली को विकसित करने के लिए नाथनगरी कॉरिडोर को भव्य स्वरूप देने की तैयारी शुरू हो गई है। सातों नाथ मंदिरों को जोड़ने वाले सर्किट बनाए गए हैं। धोपेश्वर नाथ मंदिर, मढ़ीनाथ मंदिर, तपेश्वरनाथ मंदिर, बनखंडीनाथ मंदिर, त्रिवटीनाथ मंदिर, अलखनाथ मंदिर, पशुपति नाथ मंदिर को जोड़ते हुए 32.5 किलोमीटर लंबा टूरिज्म सर्किट बनेगा। इस पर 250 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। शासन ने पहली किस्त के रूप में 25 करोड़ रुपये जारी भी कर दिए हैं। नाथ मंदिरों को जोड़ने वाले सर्किट पर स्ट्रीट लाइट में शिव के प्रतीक चिह्न लगेंगे। सातों सर्किटों की अलग पहचान के लिए डमरू, त्रिशूल, त्रिपुर, नंदी स्थापित किए जाएंगे। एक मंदिर से दूसरे नाथ मंदिर को जोड़ने वाले सातों सर्किट को एकरूपता लाने का काम होगा। नाथनगरी कॉरिडोर के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल काफी प्रयारसत हैं। बीडीए वीसी भी लगातार मॉनीटरिंग कर रहे हैं।

वहीं, कोविड काल से पहले बरेली शहर की ट्रैफिक व्यवस्था के बारे में बात करें तो न चौड़ी सड़कें थीं और न ही इतने पुल थे। महज किला पुल और बदायूं रोड के पुल ही थे। 2020 से लेकर 2022 तक निर्माणाधीन पुलों पर तेजी से काम हुआ। कुदेशिया पुल, आईवीआरआई ओवरब्रिज, लाल फाटक ओवरब्रिज चालू होने के बाद चौपुला पुल, ब्रांच पुल, शहामतगंज पुल और कुतुबखाना पुल भी बनकर तैयार हो गए। इतने पुल बनने से जहां ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार हुआ, वहीं शहरवासियों की रफ्तार भी बढ़ी है। इसमें बरेली स्मार्ट सिटी लिमिटेड से विकास कार्य भी हुए हैं। विकास भवन रोड, गांधी उद्यान से चौकी चौराहे, चौकी चौराहे से चौपुला रोड, चौपुला चौराहे से अय्यूब खां (पटेल चौक), नगर निगम रोड का चौड़ीकरण हुआ। सड़कें चौड़ी होने से पर्यावरण के रूप में शहर का नुकसान हुआ, लेकिन पहले से लोगों को आवागमन में आसानी हुई है।

रामायण वाटिका ने शहरवासियों को दी विशेष सौगात

बीडीए ने डोहरा रोड पर रामायण वाटिका बनवाई है। इसमें श्रीराम से जुड़ी तमाम प्रसंगों को सुसज्जित किया गया है। शबरी कुटिया, दौड़ते मृग, हनुमान की प्रतिमा रामायण वाटिका में शोभित हैं। बीडीए ने रामायण वाटिका बनवाकर शहरवासियों को अध्यात्म की चीजों से रूबरू कराया है।

पहले झुमका और सुरमा नगरी से थी पहचान

बरेली का झुमका भी देश-विदेश में प्रसिद्ध है। फिल्मों में कई बार झुमकों पर गाना फिल्माया गया है। सुरमा भी बरेली की पहचान रहा है, लेकिन अब बरेली नाथनगरी के रूप में भव्यता की चादर ओढ़ रहा है। करीब 65 साल पहले मेरा साया फिल्म में पहली बार झुमका का जिक्र आया था।

संगमरमर गेट की भव्यता आकर्षिक करेगी

बरेली शहर की सीमा में घुसने वाले को सबसे पहले नाथनगरी की भव्यता नजर आए, इसके लिए बरेली विकास प्राधिकरण बदायूं रोड पर महेशपुरा क्रॉसिंग से पहले, लखनऊ रोड पर बड़ा बाईपास चौराहा के पास, डोहरा रोड पर बड़ा बाईपास तिराहे पर, बीसलपुर रोड पर बड़ा बाईपास चौराहा, दिल्ली रोड पर झुमका तिराहे के पास नाथनगरी में प्रवेश से संबंधित शिव के प्रतीक चिह्न बनवाते हुए बड़े-बड़े गेट बनवा रहा हैं। संगमरमर से तैयार हो रहे गेटों की भव्यता भी राहगीरों को आकर्षित कर रही है।

बरेली महानगर से ग्रेटर बरेली भी जुड़ी

बरेली महानगर अब तेजी से क्षेत्रफल के नजरिये से भी बढ़ रहा है। पीलीभीत रोड पर बैरियर, नैनीताल रोड पर बैरियर, बीसलपुर रोड पर हरुनगला, बदायूं रोड पर करगैना, दिल्ली रोड पर परसाखेड़ा तक विकास कार्य होते थे, लेकिन पिछले पांच साल में इन प्रमुख मार्गों पर तेजी से विकास हुआ है। पीलीभीत बाईपास रोड पर एयरपोर्ट बनने से इस मार्ग पर तेजी से कालोनियां बनीं और कई शोरूम भी खुले। बीडीए ने महानगर के क्षेत्रफल को विस्तार देने के लिए ग्रेटर बरेली की रूपरेखा बनाई। इसे धरातल पर लाने की कवायद बीडीए तेजी से कर रहा है।

पहले पिता, अब बेटा लोगों के जीवन में घोल रहा मिठास

महिपाल गंगवार, बरेली

अमृत विचार : इज्जतनगर के गांव गिरधारीपुर के सतीश पिता की विरासत को आगे बढ़ाते हुए अब लोगों के जीवन में मिठास घोल रहे हैं।

मधुमक्खी पालन से सालाना दस क्विंटल तक शहद का उत्पादन करके न केवल परिवार की आजीविका चला रहे, बल्कि मधुमक्खी पालन के नए तरीके और तकनीक से अपना उत्पादन बढ़ाकर अधिक लोगों तक शुद्ध और प्राकृतिक शहद पहुंचा रहे हैं। सतीश का कहना है, यह एक ऐसा व्यवसाय है जो काम लागत में होता है और पर्यावरण के लिए सबसे फायदेमंद है। सतीश कुमार के पिता सावरिया सरन किसी समय शहद उत्पादन को लेकर मशहूर थे। उन्होंने साल 1985 में मधुमक्खी पालन शुरू किया। 17 साल तक उन्होंने इस कारोबार को बखूबी जमाए रखा। इस दौरान बीए की पढ़ाई करने के बाद 2002 में सतीश ने पिता के साथ इस कारोबार में कदम रखा तो उन्होंने यह नहीं सोचा था कि वह इतनी अधिक मात्रा में शहद का उत्पादन कर सकेंगे। सतीश बरेली के अलावा किच्छा में पांच-छह जगहों पर बाग-बगीचा और जमीन पर शहद का बक्सा रखते हैं और एक सीजन में दस क्विंटल शहद का उत्पादन करते हैं। सतीश के साथ उनके आठ से दस सहयोगी भी हाथ बटा रहे हैं। सतीश कहते हैं कि उनके पिता ने ही मधुमक्खी पालन के लिए प्रेरित किया। पहले 25 बॉक्स से कार्य शुरू किया। आज 300 से अधिक बॉक्स में मधुमक्खी पालन कर रहे हैं। एक बॉक्स से करीब 25 किलो शहद मिल जाता है। गुणवत्ता के बल पर सतीश ने अपनी साख बनाई। इस कारण शहद बेचने में दिक्कत नहीं होती। आसपास जिलों के ग्राहक सीधे उनसे संपर्क करते शहद ले जाते हैं। सतीश के मुताबिक 300 से 350 रुपये प्रति किलो के भाव में वह शहद बेच रहे हैं।

नीम, तुलसी और जामुन के स्वाद वाला शहद

सतीश सरसों, नीम, अजवाइन, तुलसी, जामुन, बबूल, बेर और लीची फ्लेवर का शहद उत्पादित कर रहे हैं। वह इसके लिए उन किसानों से समन्वय करते हैं जहां ऐसे पौधे और फसलें होती हैं। फिर वहां जाकर मधुमक्खियों का बॉक्स लगाकर शहद तैयार करते हैं।

किसान सतीश कुमार।

मंचन

श्री हरेराम ग्वाल बाल भगवती सेवा समिति की ओर से सुभाष नगर अवधपुरी स्थित श्री हरेराम नवदुर्गा मंदिर में श्री कृष्णलीला का मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार

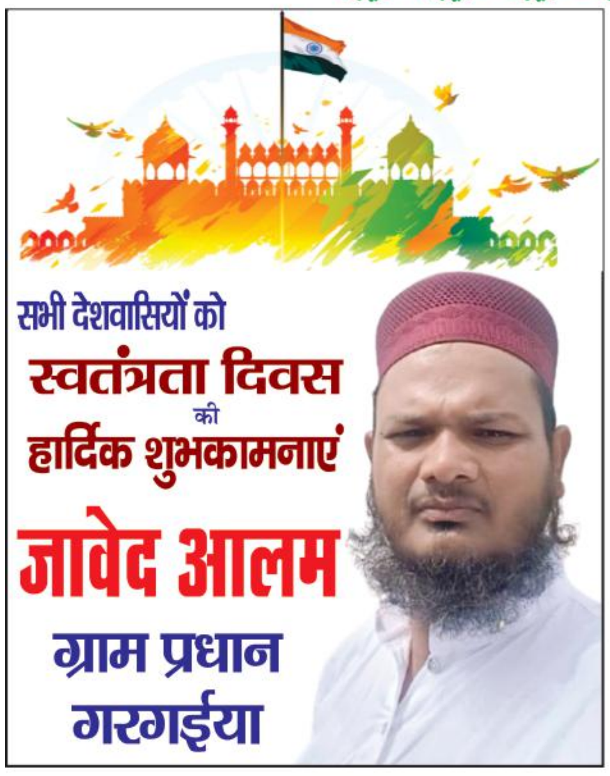

भारत मजबूत होगा तो दुनिया उसकी सुनेगी

केंद्रीय मंत्री ने की महाशक्ति व विश्वगुरु बनाने की वकालत

नागपुर, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भारत को एक महाशक्ति और 'विश्वगुरु' बनाने की वकालत करते हुए गुरुवार को कहा कि अगर भारत हर क्षेत्र में मजबूत हो जाता है तो दुनिया निश्चित रूप से उसकी बात सुनेगी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नागपुर में राष्ट्र निर्माण समिति (सामाजिक संगठन) द्वारा आयोजित अखंड भारत संकल्प दिवस पर सभा को संबोधित कर रहे थे।

गडकरी ने कहा कि हम इस दिन को याद करते हैं क्योंकि इसी दिन 1947 में देश दो हिस्सों में बंट गया था - भारत और पाकिस्तान। हम सभी एक मिशन के रूप में स्वीकार करते हैं कि हमारे देश का विभाजन अस्वाभाविक था और एक दिन हमारा देश 'अखंड' हो जाएगा, यही संकल्प हम आज इस कार्यक्रम में लेते हैं। उन्होंने भारत की विविधता में एकता और देश के सशस्त्र बलों की सराहना की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था एवं दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ-साथ आत्मनिर्भर और विश्वगुरु बनाने का संकल्प लिया है।

उन्होंने कहा कि ये सभी संकल्प हर भारतीय के प्रयासों से हासिल किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर हम हर क्षेत्र में मजबूत होंगे तो निश्चित रूप से दुनिया हमारी बात सुनेगी। जो लोग अर्थव्यवस्था, रक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में मजबूत हैं और जो कृषि एवं व्यापार में प्रगति कर रहे हैं तथा जिस देश के नागरिक देशभक्त एवं सुसंस्कृत हैं, वह देश ही विश्वगुरु बन सकता है।

गडकरी ने लोगों के बीच अखंड भारत का विचार लाने के लिए राष्ट्र निर्माण समिति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आज जब हम 'अखंड भारत' का संकल्प ले रहे हैं, तो हमें एक ऐसी महाशक्ति बनने का भी संकल्प लेना चाहिए जो प्रगतिशील, समृद्ध और शक्तिशाली हो। गडकरी ने सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता जताई और सड़क सुरक्षा नियमों के पालन के बारे में युवाओं के बीच जागरूकता पैदा करने के महत्व पर जोर दिया।

ट्रंप और पुतिन से पहले स्टॉर्मर से मिलेंगे जेलेंस्की

कीव, एजेंसी

- ट्रंप और कई यूरोपीय देशों के नेताओं की वर्चुअल बैठक के बाद जेलेंस्की जाएंगे ब्रिटेन यात्रा

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर गुरुवार सुबह लंदन में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का स्वागत कर सकते हैं। अलास्का में शुक्रवार को होने वाले महत्वपूर्ण अमेरिका-रूस शिखर सम्मेलन से पहले दोनों राष्ट्रपतियों की मुलाकात हो सकती है। जेलेंस्की की ब्रिटेन की राजधानी की यात्रा बर्लिन से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कई यूरोपीय देशों के नेताओं के साथ वर्चुअल बैठकों में भाग लेने के एक दिन बाद हो रही है।

इन नेताओं ने कहा कि ट्रंप ने उन्हें आश्वासन दिया है कि शुक्रवार को एंकोरेज में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के दौरान वह यूक्रेन में युद्धविराम को प्राथमिकता देंगे। जेलेंस्की और यूरोपीय देशों, दोनों को आशंका है कि द्विपक्षीय अमेरिका-रूस शिखर सम्मेलन उन्हें और उनके हितों को दरकिनार कर सकता है और कोई भी निष्कर्ष मास्को के पक्ष में जा सकता है जिससे यूक्रेन और यूरोप की भविष्य की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों जैसे कुछ नेताओं ने बुधवार को ट्रंप के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस को सकारात्मक बताते हुए प्रशंसा की थी। बैठकों के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर पुतिन शुक्रवार की बैठक के बाद यूक्रेन के खिलाफ युद्ध रोकने पर सहमत नहीं होते हैं, तो रूस के लिए 'बेहद गंभीर परिणाम' होंगे।

हंटर अपनी टिप्पणियां वापस लें : मेलानिया ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी

- यौन शोषण व तस्करी के दोषी जेफ्री एपस्टीन से नाम जोड़ने पर भड़कीं अमेरिका की प्रभम महिला

अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने हंटर बाइडन से अपनी वह टिप्पणी वापस लेने की मांग की है, जिसमें उन्होंने यौन शोषण एवं तस्करी के दोषी जेफ्री एपस्टीन से उनका नाम जोड़ा था। मेलानिया ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि हंटर अपनी टिप्पणी वापस नहीं लेंगे तो वह उन पर मुकदमा करेंगी।

मेलानिया को पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के बेटे की इस महीने ब्रिटिश पत्रकार एंड्रयू कैलाघन के साथ साक्षात्कार के दौरान की गई दो टिप्पणियों पर आपत्ति हैं। हंटर बाइडन ने आरोप लगाया था कि मेलानिया का (राष्ट्रपति) डोनाल्ड ट्रंप से परिचय एपस्टीन ने कराया था। मेलानिया ट्रंप के वकील अलेजांद्रो ब्रिटो ने हंटर बाइडन को लिखे पत्र में कहा कि ये बयान झूठे, मानहानिकारक और बेहद अश्लील हैं। हंटर बाइडन की ये टिप्पणियां सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुईं और दुनियाभर के मीडिया संगठनों ने इसे प्रकाशित किया, जिससे प्रथम महिला को अत्यधिक वित्तीय नुकसान हुआ और उनकी साख भी धूमिल हुई है। राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया लंबे समय से कहते रहे हैं कि उनका परिचय 1998 में न्यूयॉर्क फैशन वीक की एक पार्टी में मॉडलिंग एजेंट पाओलो जाम्पोली ने कराया था। यह पत्र छह अगस्त को लिखा गया और इसे पहली बार बुधवार को 'फॉक्स न्यूज़ डिजिटल' ने इसे प्रकाशित किया। हंटर बाइडन के खिलाफ आपराधिक मामलों में उनका प्रतिनिधित्व करने वाले वकील एबे लोवेल ने अभी इस पर प्रतिक्रिया नहीं दी है।

बुजुर्ग महिला से 72 लाख की ठगी

नोएडा (उप्र), एजेंसी

नोएडा में साइबर ठगों ने शेयर बाजार में निवेश के जरिए लाखों रुपए के मुनाफे का झांसा देकर एक बुजुर्ग महिला से कथित रूप से 72 लाख रुपए ठग लिए। पुलिस ने बताया कि पीड़िता दिल्ली नगर पालिका परिषद से सेवानिवृत है। पुलिस उपायुक्त (साइबर अपराध) प्रीति यादव ने बताया कि नोएडा के सेक्टर 105 स्थित एक अपार्टमेंट में रहने वाली मंजू शर्मा ने साइबर अपराध थाने में बुधवार रात को इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार, स्वयं को वित्तीय सलाहकार बताने वाली एक युवती ने अप्रैल में शर्मा से संपर्क किया और उन्हें एक 'व्हाट्सऐप ग्रुप' में शामिल किया जिसमें पहले से काफी लोग मौजूद थे तथा इन लोगों को शेयर बाजार की जानकारी एवं प्रशिक्षण दिया जा रहा था। ग्रुप में शामिल सदस्य मुनाफे का 'स्क्रीनशॉट' भी साझा कर रहे थे और शर्मा ने भी मुनाफा कमाने के झांसे में आकर लाखों रुपए हस्तांतरित किए और शुरुआत में उन्हें कुछ मुनाफा हुआ तथा उन्हें रकम निकालने की अनुमति भी दी गई। जब महिला ने 72 लाख निवेश करने के बाद मुनाफे सहित रकम निकालनी चाही तो अपराधियों ने इसकी अनुमति नहीं दी।

पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने के विरोध में वाशिंगटन डीसी वासियों का प्रदर्शन

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने देश की राजधानी में नेशनल गार्ड के जवानों की संख्या बढ़ाने और संघीय अधिकारियों के चौबीसों घंटे सड़कों पर तैनात रहने के फैसले की घोषणा की, जिसके बाद वाशिंगटन डीसी में लोगों ने पुलिस की उपस्थिति बढ़ने के विरोध में बुधवार को प्रदर्शन किया। कानून प्रवर्तन एजेंसी द्वारा व्यस्त 'फोरटींथ स्ट्रीट नॉर्थवेस्ट कॉरिडोर' पर एक वाहन जांच चौकी स्थापित किए जाने के बाद प्रदर्शनकारियों ने 'घर जाओ, फासीवादियो' और 'हमारी सड़कों से हटो'' के नारे लगाए। इस घटनाक्रम से कुछ दिन पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि उनका प्रशासन कम से कम एक महीने के लिए शहर के पुलिस विभाग का कार्यभार अपने हाथ में लेगा। शहर की मेयर और डेमोक्रेटिक नेता म्यूरियल एलिजाबेथ बोसर ने राजनीतिक दांवपेंच अपनाते हुए पहले इस कदम की आलोचना की लेकिन बाद में अधिकारियों की नियुक्ति को सार्वजनिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उठाया गया कदम बताया। रिपब्लिकन नेता ट्रंप ने कहा है कि शहर में अपराध आपात स्तर पर पहुंच गया है, जिसे केवल संघीय हस्तक्षेप से ही काबू किया जा सकता है जबकि 'डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया' (डीसी) के नेताओं ने आंकड़ों के आधार पर बताया कि दो साल पहले हिंसक अपराधों में तीव्र वृद्धि हुई थी लेकिन अब यहां अपराध 30 साल के निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। गृह सुरक्षा विभाग के अधिकारी 'यू स्ट्रीट' गलियारे में बुधवार को गश्त करते नजर आए। मादक द्रव्य प्रवर्तन प्रशासन (डीईए) के अधिकारी नेशनल मॉल पर देखे गए जबकि नेशनल गार्ड के सदस्य भी मौजूद रहे। मंगलवार रात सड़कों पर गश्त कर रहे संघीय कानून प्रवर्तन और शहर पुलिस के सैकड़ों अधिकारियों ने 43 लोगों को गिरफ्तार किया। कुछ निवासियों ने कानून प्रवर्तन और नेशनल गार्ड कर्मियों की बढ़ी उपस्थिति को चिंताजनक बताया तथा इसके खिलाफ प्रदर्शन किया।

सीमा से लाउडस्पीकर हटाने से किम यो जोंग का इनकार

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की प्रभावशाली बहन किम यो जोंग ने दक्षिण कोरिया के इस दावे को गुरुवार को खारिज कर दिया कि उत्तर कोरिया ने अंतर-कोरियाई सीमा के पास से अपने कुछ लाउडस्पीकर हटा लिए हैं। किम यो जोंग ने सियोल सरकार का मजाक उड़ाते हुए कहा कि वह अब भी युद्ध से विभाजित दोनों देशों के बीच कूटनीतिक बातचीत की उम्मीद लगाए बैठी है।

दक्षिण कोरिया की सेना ने सप्ताहांत में कहा था कि उसने उत्तर कोरिया को कुछ लाउडस्पीकर हटाते हुए देखा है। इससे कुछ दिन पहले ही दक्षिण कोरिया ने तनाव कम करने के प्रयास में सीमा पर लगाए गए अपने लाउडस्पीकर हटा दिए थे। ये लाउडस्पीकर पहले सीमा पार उत्तर कोरिया विरोधी प्रचार सामग्री प्रसारित करने के लिए उपयोग किए जाते थे। किम यो जोंग ने पहले दिए गए उत्तर कोरिया के बयानों को दोहराया कि प्योंगयांग की अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ लंबे समय से रुकी बातचीत को फिर शुरू करने में फिलहाल कोई रुचि नहीं है।

अंतरिक्ष उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाने को ट्रंप ने किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के वाणिज्यिक अंतरिक्ष उद्योग को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के प्रयास के तहत नियमों को सरल करने और उन्हें सुव्यवस्थित करने के लिए एक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें परिवहन मंत्री के अधीन एक 'अंतरिक्ष वाणिज्य कार्यालय' के सृजन का आह्वान किया गया है। यह आदेश प्रतिस्पर्धी प्रक्षेपण बाज़ार को सक्षम बनाकर अंतरिक्ष में अमेरिकी महानता को बढ़ाने का भी प्रयास करता है, जिससे अगले पांच वर्षों में वाणिज्यिक अंतरिक्ष गतिविधियों में काफी वृद्धि हो सकती है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल एल0आई0सी0 एच0एफ0एल0 शाखा स्टेशन रोड शाखा बरेली से दानिश खां पुत्र वाहिद हुसैन नि0 216/338 पटी गली लाल मस्जिद मलूकपुर थाना किला बरेली एक किता मकान रकबई 165.55 वर्गमी0 जो प्लाट नं. 49 पर व खसरा नं. 43 के जुज पर तामीर है वाके स्वालेनगर नवदिया बाहर चुंगी पर0 तह0 व जिला बरेली जिसकी चौहददी पूरब में रास्ता 18 फिट चौड़ा, पश्चिम में मकान दीगर शख्स, उत्तर में प्लाट अजीम शम्सी व दक्षिण में मकान डा0 जुनैद है को श्रीमती फहमीदा से क्रय करने हेतु ऋण ले रहे है उक्त सम्पत्ति को श्रीमती फहमीदा ने द्वारा बैनामा जिसकी रजिस्ट्री स0र0 बरेली में दिनांक 06.08.2014 को बही सं. 1 जिल्द 7274 के पृष्ठ 273 से 300 पर क्रमांक 10991 पर हुई है इकरारी मोअज्जम मियां आदि से क्रय किया था। उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित पूर्व मूल बैनामा जिसकी रजिस्ट्री स.र. बरेली में दिनांक 26.11.2005 को फो0प्र0पु0 सं. 1 खण्ड 1345 के पृष्ठ 137 से 150 पर क्रमांक 7854 पर हुई है जो रियाज अहमद आदि द्वारा जिया अब्बास आदि के हक में निष्पादित किया गया है व पूर्व मूल बैनामे का अन्तिम दफा 60 वाला पृष्ठ जिसकी रजिस्ट्री स0र0 बरेली में दिनांक 25.03.2011 को बही सं. 1 जिल्द 4357 के पृष्ठ 1 से 34 पर क्रमांक 3045 पर हुई है जो जिया अब्बास आदि द्वारा मोअज्जम मियां आदि के हक में निष्पादित किया गया है जो कहीं खो गये हैं जिनके खोने की सूचना ई-थाना पर दिनांक 13.08.2025 को दर्ज कराई जा चुकी है। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी अन्य व्यक्ति / बैंक /संस्था आदि को उक्त बंधक सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सामान्य कार्य दिवस के 15 दिन के अन्दर मेरे मुवक्किल एल0आई0सी0 एच0एफ0एल0 शाखा बरेली पर या मेरे कार्यालय पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर दर्ज करा सकता है उक्त समयावधि बीत जाने के उपरान्त मेरे मुवक्किल द्वारा उक्त ऋण जारी कर दिया जायेगा।

मुनीश कुमार सक्सेना (एडवोकेट)
चैम्बर नं. 27 न्यू बिल्डिंग बंगलिया सिविल कोर्ट, बरेली सूचीबद्ध अधिवक्ता एल.आई.सी. एच.एफ.एल., बरेली
मो. 9997389012

कार्यालयः– उप जिलाधिकारी, जलालाबाद, शाहजहाँपुर

पत्रांकः 396/मत्स्य आखेट पट्टा नदी/2025–26 दिनाँकः 07 अगस्त, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्व अनुभाग–2 के शासनादेश संख्या–01/2019/33/एक–2–2019–19(रिट)/2018 दिनाँक 10.01.2019 एवं शासनादेश संख्या– 97/सत्रह– म–2024–17–1099/9/2024 दिनाँक 19.01.2024 में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत तहसील जलालाबाद(शाहजहाँपुर) में बहने वाली सदानीरा रामगंगा नदी के तीन खण्डों की मत्स्य आखेट हेतु नीलामी किया जाना है। मत्स्य आखेट हेतु वर्ष 2025–26 में पट्टा नीलामी स्वीकृत दिनाँक से 31.5.2026 तक (प्रतिबंधित अवधि 01 जून से 31 अगस्त) मत्स्य आखेट/पट्टा नीलामी पर उठाए जाने की कार्यवाही के सम्बन्ध में नीलामी तिथियाँ निम्नवत् हैः–

क्रमांक	तहसील का नाम	नीलामी तिथि
1	जलालाबाद	02.9.2025, 09.9.2025, 16.9.2025, 23.9.2025

नीलामी कार्यवाही तहसील सभागार में उपरोक्त तिथियों के अनुसार अपरान्ह 1.00 बजे उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न की जायेगी। पट्टा/नीलामी हेतु चिन्हित मत्स्याखेट खण्डों का विवरण निम्नवत् हैः–

क्र0 सं0	तहसील एवं नदी का नाम	जलधारा/खण्ड का भाग संख्या एवं ग्राम का नाम	नदी/जलधारा/खण्ड की लम्बाई (कि0मी0 में)	वर्ष 2025–26 हेतु मत्स्य आखेट/नीलामी हेतु न्यूनतम निर्धारित मूल्य(रू0)
1	तहसील–जलालाबाद नदी – रामगंगा	भाग संख्या–1/3 ग्राम ठिंगरी से वेलाखेड़ा तक	6.00	205332
		भाग संख्या–2/3 ग्राम मऊ शाहजहाँपुर से रमापुर बझेड़ा तक	5.00	171230
		भाग संख्या–3/3 ग्राम रमापुर बझेड़ा से अशरफपुर मिघौल तक	6.00	198000

पट्टा/नीलामी की शर्ते–

1– मत्स्य जीवी सहकारी समितियों की पात्रता की वरीयता का क्रम एवं शर्त शासनादेश संख्या –01/2019/33/एक–2–2019–19(रिट)/2018 दिनाँक 10.01.2019 में वर्णित है।

2– प्रतिभाग करने वाली समिति को सम्बन्धित खण्ड की न्यूनतम निर्धारित मूल्य का 10 प्रतिशत जमानत के रूप में पट्टा/नीलामी से पूर्व जमा करना होगा एवं नीलामी पूर्ण होने पर कुल 25 प्रतिशत धनराशि नीलामी वाले दिन तत्काल तथा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह के अन्दर जमा करनी होगी। यदि समिति के द्वारा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह में जमा नहीं की गयी तो जमा की गयी 25 प्रतिशत धनराशि राज्य हित में जब्त कर दी जाएगी।

3– उपरोक्त नीलामी में प्रतिभाग, मत्स्य विभाग में पंजीकृत मत्स्य जीवी सहकारी समिति द्वारा ही किया जायेगा।

4– नीलाम प्राप्तकर्ता समिति को मत्स्य विभाग के अधिकारियों की देख–रेख में भारतीय मेजर कार्प प्रजाति की 2000 मत्स्य अंगुलिका प्रति कि0मी0 की दर से रिवर रैचिंग करवाना अनिवार्य होगा।

5– पट्टा धारक/नीलामी प्राप्तकर्ता के द्वारा बहती हुई नदी/जलधारा को रोकने का प्रयास नहीं किया जायेगा।

6– सम्बन्धित तहसील एवं मत्स्य विभाग से अदेयता प्रमाण पत्र देना होगा।

7– पट्टे/नीलामी की समस्त धनराशि का लेन–देन समिति के खाते से ही ड्राफ्ट के माध्यम से विभागीय बैंक खाता ''मत्स्य विकास निधि'' के पक्ष में देय होगा।

8– पट्टा/नीलामी/स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार जिलाधिकारी, शाहजहाँपुर में निहित होगा।

पट्टा/नीलामी से संबधित शर्तो की विस्तृत जानकारी कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य (कमरा नं0 201, विकास भवन) शाहजहाँपुर में किसी भी कार्य दिवस में संपर्क कर प्राप्त कर सकते है।

UP – 236864 **दिनांकः** 13/08/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी
तहसील जलालाबाद, शाहजहाँपुर।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड बरेली।

पताः– ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल विकास भवन, बरेली।

पत्रांकः– 1396 /ग्रा0अ0वि0/निविदा–पत्रा0/बाण्ड क्लर्क/2025–26 दिनांकः– 07.08.2025

–:: अति अल्पकालीन निविदा सूचना ::–

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड बरेली में भवन/सडक निर्माण कार्य हेतु ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उत्तर प्रदेश में पात्र ए0,बी0,सी0 एवं डी0 श्रेणी के निविदादाताओं से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु प्रतिशत दर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता कार्य के लिये निविदा जमा कर सकते है।

2– तालिका के अनुसार कार्यो का विवरणः–

क्रम सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में) (GST सहित)	धरोहर धनराशि (रूपये में)	निविदा मूल्य समस्त करों सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	बरेली	ग्राम भीकमपुर गौशाला में खडन्जा निर्माण कार्य। (विकास खण्ड–आलमपुर जाफराबाद)	9.157	18400.00	766.00	03 माह
2	बरेली	ग्राम बिलौरी गौशाला में खडन्जा निर्माण कार्य। (विकास खण्ड–आलमपुर जाफराबाद)	8.801	17700.00	766.00	03 माह

निविदा विक्री की अवधि : दिनांकः– 18.08.2025 से 20.08.2025 तक (पूर्वान्ह 11.00बजे से अपरान्ह 4.00बजे तक)

4. निविदा प्राप्ति का अन्तिम दिनांक एवं समय : दिनांक 21.08.2025 को मध्याहन 12.00 बजे तक

5. निविदा प्राप्ति का स्थान : कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल, विकास भवन, जनपद–बरेली।

6. निविदा खुलने का दिनांक एवं समय : दिनांक 21.08.2025 अपरान्ह 12.30 बजे

अधिक जानकारी के लिये अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग कार्यालय, द्वितीय तल, विकास भवन, बरेली से सम्पर्क कर सकते हैं।

UP – 236866 **दिनांकः** 13/08/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

(विनय कुमार शर्मा)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड, बरेली।

ग्लेन कैंसर सेन्टर एण्ड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
डा. रितु भुटानी
कैंसर रोग विशेषज्ञ
Ex. TATA MEMORIAL HOSPITAL, MUMBAI
Ex. RAJEEV GANDHI CANCER INSTITUTE, DELHI
कैंसर लाइलाज नहीं है
A PLACE OF HELP, HOPE AND UNDERSTANDING
24 घण्टे आई.सी.यू./इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
02, शक्ति नगर, निकट रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
Contact Us:- 9311198889 9045599027
Email: bhutaniritu@gmail.com
Website: www.gleancancercentre.com

रूहेलखण्ड कमिश्नरी का प्रथम विधि विद्यालय
SHRIJI INSTITUTE OF LEGAL Vocational Education & Research
Estd. 2003
(SILVER LAW COLLEGE)
(Approved by BCI & Affiliated to MJPRU)
ADMISSION OPEN 2025-26
DIRECT ADMISSION
LL. B. 3 Yrs. Course After Graduation
B.A. LL.B. 5 Yrs. Course After 12th
College Code : 119
General 45%, OBC 42%, SC/ST 40% (in Intermediate & Graduation)
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :
9837485855, 9411472001
7983811321, 7906220708, 9068232656
Email.: ravibhatnagar.slcbly@gmail.com
Add : Vill. Barkhapur, PO. Mudia Ahamad Nagar, 12th Km. Pilibhit Road, Bareilly

FOCUS नेत्रालय
RAJENDRA NAGAR, BAREILLY 731-098-7005
"ARTIFICIAL INTELLIGENCE" ASSISTED EYE SURGERIES
CASHLESS
DR. KANUPRIYA AGARWAL
Fellow- Shroff Eye Hospital, New Delhi
Ex. Safdarjung Hospital, New Delhi
ALL MAJOR INSURANCE ACCEPTED
AYUSHMAN / ECHS / CGHS / TPA EMPANELLED

ADITYA
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्केन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
8077344353
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
निःशुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
सरदार वल्लभ भाई पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी भोजीपुरा, बरेली
BTE CODE - 2143
B.El.Ed. (इंटरमीडिएट के पश्चात 4 वर्षीय बी.टी.सी.) College Code 148
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फार्मेसी
BTE CODE-2079
टिछा-जहानाबाद रोड पिपरानाकार बहेड़ी, बरेली
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

भारतीय शिक्षण संस्थानों पर 9 महीने में दो लाख साइबर हमले

हैकरों ने चार लाख डेटा में की सेंध लगाने की कोशिश

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय शिक्षण संस्थानों को महज नौ महीनों में दो लाख से अधिक बार साइबर हमलों और जानकारी में सेंध लगाने की करीब चार लाख कोशिशों का सामना करना पड़ा है। यह खुलासा एक प्रायोगिक अध्ययन में हुआ है।

'भारतीय शैक्षणिक संस्थानों के लिए साइबर खतरों और डिजिटल जोखिमों की तलाश' शीर्षक से यह अध्ययन साइबरपीस फाउंडेशन के महत्वकांक्षी ई-कवच पहल के तहत डेलनेट, रीसिक्योरिटी और ऑटोबोट इन्फोसेक के सहयोग से किया गया है। इस अध्ययन रिपोर्ट को बुधवार 'साइबर फर्स्ट रिस्पॉन्डर' पहल की शुरुआत के साथ जारी किया गया। इसका उद्देश्य छात्रों, संकाय, पुस्तकालयाध्यक्षों और कर्मचारियों को साइबर खतरों, डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोग का मुकाबला करने के लिए कुशल बनाना है।

● कमजोर सुरक्षा की वजह से हमलों की आशंका 5 गुना ज्यादा: रिपोर्ट

जुलाई 2023 और अप्रैल 2024 के बीच किए गए नौ महीने के अध्ययन में पाया गया कि 8,000 से ज्यादा विशिष्ट यूज़रनेम और 54,000 विशिष्ट पासवर्ड 'ब्रूट-फोर्स' हमलों (इसमें साइबर हमलावर कई संभावित कुंजी या पासवर्ड का इस्तेमाल कर डाटा तक पहुंचने की कोशिश करता है) में इस्तेमाल किए जा रहे थे। आम तौर पर लक्षित यूजरनेम में 'रूट' और 'एडमिन' शामिल थे, जबकि '123456' और 'पासवर्ड' जैसे कमज़ोर पासवर्ड का इस्तेमाल अक्सर किया जा रहा था।

अध्ययन रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि, भारतीय शैक्षणिक संस्थान पर मजबूत साइबर सुरक्षा वाले समकक्षों की तुलना में जानकारी में सेंधमारी की आशंका पांच गुना अधिक हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि उल्लंघनों से संकाय का प्रतिरूपण, जासूसी करने के लिए हमले, डीपफेक सामग्री, संवेदनशील शोध डेटा की चोरी और परीक्षा पत्रों का लीक होना हो सकता है। राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय-दिल्ली के कुलपति प्रोफेसर जी.एस. बाजपेयी ने कहा कि डिजिटल युग में लचीलेपन का अर्थ है व्यवधान के जवाब में प्रणालियों में परिवर्तन करना।

डेलनेट की निदेशक डॉ. संगीता कौल ने साइबर फर्स्ट रेस्पोंडर पहल को 'परिवर्तन पर प्रतिक्रिया देने के बजाय उसे आकार देने की प्रतिबद्धता बताया, जबकि साइबरपीस फाउंडेशन के संस्थापक और वैश्विक अध्यक्ष विनीत कुमार ने रिपोर्ट को शैक्षणिक संस्थानों के लिए 'चेतावनी' करार दिया। कुमार ने कहा, साइबर सुरक्षा के बिना डिजिटलीकरण, बिना दरवाजों या तालों के घर बनाने जैसा है।

शेख हसीना की भांजी ने भ्रष्टाचार के मुकदमे को तमाशा करार दिया

लंदन। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की भांजी और ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीक ने ढाका में चल रहे भ्रष्टाचार के मुकदमे को तमाशा बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह मनगढ़ंत आरोपों पर आधारित और राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित है।

सत्तारूढ़ लेबर पार्टी के लिए उत्तरी लंदन के हैम्पस्टेड और हाईगेट निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली सिद्दीक ने अपने परिवार के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों के सुर्खियों में आने के बाद इस वर्ष के शुरू में मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। शेख हसीना और ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीक सहित 17 अन्य के खिलाफ कथित आवास भूखंड घोटाले में भ्रष्टाचार करने के मामले में बुधवार को ढाका की एक अदालत में शिकायतकर्ता के बयानों के साथ मुकदमा शुरू हुआ।

तिरंगा रैली

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर जम्मू के एक स्कूल की छात्राओं ने तिरंगा रैली में भाग लिया। एजेंसी

ब्रिटेन: अपराधी पकड़ने के लिए एलएफआर वैन का इस्तेमाल

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन सरकार ने घोषणा की है कि देशभर के नगर एवं शहर केंद्रों में गंभीर अपराधों के संदिग्धों की पहचान के लिए अब और अधिक संख्या में 'लाइव फेशियल रिकग्निशन' (एलएफआर) वैन तैनात की जाएंगी। गृह कार्यालय ने कहा कि इंग्लैंड और वेल्स के प्रत्येक इलाके में अपराधों से निपटने के लिए नामित, संपर्क करने योग्य अधिकारियों को तैनात किया गया है।

पुलिस की उपस्थिति को मजबूत करने के अलावा, इसने देश भर में सात पुलिस बलों को 10 नई एलएफआर वैन भी उपलब्ध कराई हैं, ताकि अधिकारियों को अपराधियों को पकड़ने के लिए लक्षित, अत्याधुनिक तकनीक से लैस किया जा सके। प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने कहा, किसी को भी अपने घर से बाहर निकलते समय असुरक्षित महसूस नहीं करना चाहिए। आज से, इंग्लैंड और वेल्स के हर मोहल्ले में हमारे समुदायों में अपराध से निपटने के लिए संपर्क करने योग्य अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

● उच्च तकनीक से लैस वैन करती हैं अपराधियों की सटीक पहचान

गृहमंत्री यवेट कूपर ने कहा कि अगले वर्ष तक इन इलाकों में 3,000 नए अधिकारी तैनात किए जाएंगे, जो बाइक, दुकानों में चोरी, सड़क पर चोरी तथा अन्य अपराधों से निपटेंगे। कूपर ने कहा, हम पुलिस को ज़रूरी उपकरण मुहैया कराएंगे। चेहरे की पहचान का इस्तेमाल यौन अपराधियों या गंभीर अपराधों में वांछित लोगों की पहचान करने के लिए किया जाएगा, जिन्हें पुलिस अभी तक नहीं ढूंढ पाई है। नई वैन में प्रयुक्त चेहरे की पहचान करने वाले एल्गोरिदम का राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला ने स्वतंत्र रूप से परीक्षण किया है, जिसमें पाया गया है कि एल्गोरिदम सटीक है और पुलिस द्वारा प्रयुक्त सेटिंग्स में जातीयता, आयु या लिंग के लिए कोई पूर्वाग्रह नहीं है।

खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हमलों में मारे गए चार पुलिसकर्मी

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पुलिस थानों और चौकियों को निशाना बनाकर किए गए सिलसिलेवार आतंकवादी हमलों में कम से कम चार पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि ये हमले बुधवार को हुए। उन्होंने बताया कि पेशावर में हसन खेल पुलिस थाने और दो चौकियों पर हमलों को विफल करते समय एक पुलिस कांस्टेबल की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि ऊपरी दीर में आतंकवादियों ने त्वरित प्रतिक्रिया बल के एक वाहन पर घात लगाकर हमला किया।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल की नेपाल के मधेस प्रांत के मुख्यमंत्री से सूखा निवारण पर चर्चा

काठमांडू। भारत के जल शक्ति मंत्रालय के तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को नेपाल के मधेस प्रांत के मुख्यमंत्री सतीश कुमार सिंह से मुलाकात की और क्षेत्र में सूखे के संकट पर चर्चा की। इस क्षेत्र पर इस साल मानसून में देरी का गंभीर असर पड़ा है। भारत की सीमा से लगे प्रमुख कृषि क्षेत्र, मधेस प्रांत को इस मानसून के मौसम में देर से और अपर्याप्त वर्षा के कारण गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिससे समय पर बुवाई नहीं होने की वजह से किसानों की आजीविका पर खतरा पैदा हो गया है। प्रांत में हाल में कुछ वर्षा हुई है, जिससे किसानों और स्थानीय समुदायों को आंशिक राहत मिली है।

ठाणे : आवासीय इमारत के कैफे में आग लगी, 35 लोगों को निकाला गया

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक बहुमंजिला आवासीय इमारत में स्थित कैफे में बृहस्पतिवार तड़के आग लग गई, जिसके बाद 35 लोगों को इमारत से बाहर निकाला गया।

ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तडवी ने बताया कि आग लगने की इस घटना में किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई खबर नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि आग कलवा (पश्चिम) के खारेगांव में छह मंजिला इमारत के भूतल पर स्थित 'पारसिक कैफे' में लगी। तडवी ने बताया कि कैफे मालिक ने आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ को तड़के करीब पांच बजे सूचना दी। यह कैफे कलवा इलाके के पारसिक नगर स्थित चंद्रभागा पार्क परिसर में 1,000 वर्ग फुट में फैला है। इसमें एक अन्य 'विंग' में लोग रहते हैं जो आग लगी तो सो रहे थे। तडवी ने कहा, चंद्रभागा पार्क बी विंग के सभी लोगों को अग्निशमन और आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के कर्मचारियों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया।

आवारा कुत्ते 82 प्रतिशत मामलों में दिखाते हैं अनुकूल व्यवहार : शोध

● इंसान से सामना होने पर सिर्फ दो फीसदी कुत्ते भौंकते हैं या काटते

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में इंसानों और सड़क पर रहने वाले कुत्तों के बीच ज्यादातर आमने-सामने की स्थितियां शांतिपूर्ण रहती हैं। एडिनबर्ग विश्वविद्यालय के एक अध्ययन की मानें तो 82 प्रतिशत मामलों में कुत्तों का व्यवहार या तो मिलनसार था या तटस्थ। यह शोध सड़क पर रहने वाले कुत्तों और सार्वजनिक स्वास्थ्य के बीच संबंधों को समझने के प्रयास का हिस्सा है।

प्रोफेसर कृतिका श्रीनिवासन के नेतृत्व में किए गए इस शोध से प्राप्त आंकड़ों से पता चलता है कि आवारा कुत्तों से मानव का सामना होने की स्थिति में केवल दो प्रतिशत मामले ऐसे होते हैं, जब कुत्ते उन पर भौंकते हों, पीछा करतें हों या काट लेते हों। यह निष्कर्ष इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने कुत्तों के काटने और रेबीज के बढ़ते मामलों के मद्देनजर दिल्ली-एनसीआर के सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को हटाने और उन्हें आश्रय गृहों में रखने का सोमवार को आदेश दिया था। भारत में पिछले दो दशकों में रेबीज के मामलों में लगभग 75 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 2005 के 274 से घटकर 2022 में 34 रह गई है, जिसका मुख्य कारण बड़े पैमाने पर कुत्तों का टीकाकरण है।

कुत्तों के समर्थन में मुंबई में हुए एक प्रदर्शन में शामिल टीवी कलाकार मोना वासु।

देश के 15 राज्यों में 2022-23 में किए गए एक सर्वेक्षण में, कुत्तों के काटने की घटना प्रति 1,000 जनसंख्या पर 4.7 दर्ज की गई, जो ब्रिटेन के चेशायर में दर्ज की गई 18.7 प्रति 1,000 की दर से कम है। चेन्नई, जयपुर और मलप्पुरम (केरल) में जनमत सर्वेक्षणों में पाया गया कि 86 प्रतिशत लोग कुत्तों के टीकाकरण और 66 प्रतिशत लोग नसबंदी के पक्ष में थे, जबकि 70 प्रतिशत से अधिक लोगों ने कुत्तों को मारने का विरोध किया।

एआई का उपयोग करने से घट गई ट्यूमर का पता लगाने की दक्षता

नई दिल्ली, एजेंसी

एक अध्ययन से पता चला है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर लगातार निर्भरता से कौशल घट सकता है और यह पाया गया कि एआई का उपयोग करने पर ट्यूमर बढ़ने का पता लगाने की अनुभवी स्वास्थ्य विशेषज्ञों की दक्षता 20 प्रतिशत घट गई।

पोलैंड, नॉर्वे, स्वीडन और अन्य यूरोपीय देशों के शोधकर्ताओं ने 1,400 से अधिक 'कोलोनोस्कोपी' की जांच की। इनमें लगभग 800 बिना कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से की गई, जबकि 650 में प्रक्रिया के दौरान एआई का इस्तेमाल किया गया। कोलोनोस्कोपी का उपयोग बड़ी आंत, जिसमें बड़ी आंत और मलाशय शामिल हैं, की जांच के लिए किया जाता है ताकि रोग का पता लगाया जा सके। अध्ययन में, एआई का उपयोग शुरू किये जाने से तीन महीने पहले और बाद में की गई कोलोनोस्कोपी की तुलना की गई। अध्ययन के लेखकों ने 'द लैंसेट गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एंड हेपेटोलॉजी' पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में बताया कि एआई पर निर्भर होने के तीन महीने बाद, मानक कोलोनोस्कोपी के दौरान 'एडेनोमा' का पता लगाने की दर एआई के संपर्क में आने से पहले के 28.4 प्रतिशत से घटकर 22.4 प्रतिशत हो गई।

● पोलैंड, नार्वे समेत कई यूरोपीय देशों में किया गया अध्ययन

भारत में प्रति एक हजार प्रसवों में से छह में पैदा हुए मृत शिशु

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय सर्वेक्षणों और नागरिक पंजीकरण प्रणाली के आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार अनुमान है कि 2020 में भारत में प्रति एक हजार में से छह महिलाओं के प्रसव के दौरान शिशु मृत पैदा हुआ और ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में यह दर अधिक रही।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गोरखपुर और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नयी दिल्ली के शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि ऐसे मामले मुख्य रूप से उत्तरी और मध्य भारत से सामने आए। 'द लैंसेट रीजनल हेल्थ साउथईस्ट एशिया' पत्रिका में प्रकाशित निष्कर्षों के अनुसार, उत्तर भारत के चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर तथा राजस्थान में इसकी दर सबसे अधिक दर्ज की गई। टीम ने पांचवे राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण और नागरिक पंजीकरण प्रणाली की 2020 की रिपोर्ट से एकत्र आंकड़ों का विश्लेषण किया। शोधकर्ताओं ने लिखा, 2020 में राष्ट्रव्यापी दर प्रति 1,000 पर 6.548 थी। ग्रामीण इलाकों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में यह दर अधिक थी। उच्च दर उन जिलों में भी पाई गई जहां गर्भवती महिलाएं 'एनीमिया' से पीड़ित और कम वजन वाली थीं।

● महिलाओं का कम वजन और खून की कमी प्रमुख कारण

अध्ययन कोई भी व्यायाम नशे के बगैर दे सकता है आनंद, मूड को कर सकता है बेहतर

दौड़ने से नशे की लत से छुटकारा पाना आसान

ओटावा, एजेंसी

नशे की लत एक व्यापक स्वास्थ्य समस्या है, जो हर पांच में से एक कनाडाई को उनके जीवनकाल में प्रभावित करेगी। उदाहरण के लिए नशीले पदार्थों की लत ने कई शहरों में उनके अत्यधिक सेवन का संकट खड़ा कर दिया है। लत का इलाज चुनौतीपूर्ण हो सकता है, क्योंकि अलग-अलग लोगों पर अलग-अलग तरीके काम करते हैं।

कुछ प्रांत जबरन इलाज पर विचार कर रहे हैं, और ऐसे तरीकों को और बढ़ावा दे रहे हैं जिनकी सफलता अब तक सीमित ही रही है।

नशा और खेल पर शोध करने वाले सामाजिक कार्य शोधकर्ताओं के रूप में, हमारा मानना है कि अब वैकल्पिक तरीकों पर विचार करने का समय आ गया है। ऊपरी तौर पर देखें तो नशे से छुटकारा पाना बस किसी पदार्थ को पीना या सूंघना छोड़ने का निर्णय लेने जितना आसान लग सकता है। हालांकि, यह उससे कहीं अधिक जटिल है। लत किसी पदार्थ के साथ एक रिश्ते जैसी होती है। इस दृष्टि से देखें तो, लत से उबरने को उस रिश्ते से आगे बढ़ने की प्रक्रिया के रूप में समझा जा सकता है, जिसमें उसके बिना अलग तरह से जीना सीखना पड़ता है।

शोध से पता चलता है कि व्यायाम लत से छुटकारा पाने में मदद कर सकता है। यह एक नशामुक्त आनंद है, जो मूड को बेहतर कर सकता है, लालसा और मानसिक स्वास्थ्य के लक्षणों को कम कर सकता है, जिससे दोबारा नशे में लौटने से बचाव हो सकता है। हालांकि, अमेरिका में विशेष रूप से नशे से छुटकारा पाने के लिए दौड़ने वाले लोगों के समूह मौजूद हैं, लेकिन अधिकतर शोध नशा-उपचार के दौरान क्लीनिक में ट्रेडमिल पर किए गए हैं। इससे कई सवाल अनुत्तरित रह जाते हैं जैसे लोग समय के साथ लत से उबरने की अपनी प्रक्रिया में दौड़ का उपयोग कैसे करते हैं, इससे किसे लाभ होता है और क्यों। हम यह समझना चाहते थे कि दौड़ने से लोगों को नशीले पदार्थ या शराब के इस्तेमाल से नशामुक्त जीवन की ओर बढ़ने में कैसे मदद मिलती है। उदाहरण के लिए: 1) समय के साथ दौड़ने के अनुभव कैसे बढ़े और उन्होंने नशीली दवाओं या शराब की जगह कैसे ले ली।